आज का सुविचार

कुछ लोग हमेशा शिकायत करते हैं कि गुलाब में काटे होते हैं। मैं तो काटो का आभारी हूँ, कि उनमें गुलाब खिलते है।

एलफांस कार

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221

डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-02 भोपाल, शनिवार 13 नवम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

पंचांग

कार्तिक शुक्ल पक्ष अष्टमी, शनिवार, 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:29/5:39
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	28 %
वायु (किमी/घं.)	10
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला

₹ 50,825

शेयर सूचकांक

बीएसई	60686.69	+767.00
निफ्टी	18102.75	+229.15

फिनटेक क्षेत्र में विश्व चैंपियन बनकर उभर रही देश की स्टार्टअप कंपनियां : मोदी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय रिजर्व बैंक(आरबीआई) को भारत के वित्तबाजार की नियमन व्यवस्थाओं को उभरती नयी वित्तीय तकनीकों के अनुरूप विश्वस्तरीय रखने का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि आज देश की स्टार्टअप कंपनियां फिनटेक के क्षेत्र में विश्व चैम्पियन बन कर उभर रही है और उन्हें अनुकूल नियामकीय परिवेश मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने हाल के कठिन दौर में अर्थव्यवस्था को संभालने में सरकार की मदद के लिए आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास और उनकी टीम को बधाई भी दी। श्री मोदी ने आज भारतीय रिजर्व बैंक की दो अभिनव सुविधाओं का उद्घाटन किया जिनमें एक के जरिए अब आम आदमी भी केंद्रीय बैंक से सीधे सरकारी बांड खरीद कर अपना पैसा उसमें निवेश कर सकेगा। दूसरी सुविधा पूरे देश के लिए आरबीआई की एकीकृत लोकपाल योजना है। इसके तहत ग्राहक कहीं से एक ही स्थान पर डिजिटल माध्यम से बैंकिंग सेवाओं के बारे में अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। श्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये इन योजनाओं का उद्घाटन करते हुए कहा कि पिछले सात वर्ष में भारत में डिजिटल लेनदेन में 19 गुना उछाल आया है।

रिटेल डायरेक्ट स्कीम

अभी कोई भी रिटेल इन्वेस्टर गवर्नमेंट सिक्योरिटी और बॉन्ड्स में सीधे निवेश नहीं कर सकता। केवल बैंक और संस्थागत निवेशक ही निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम के जरिए अब आम निवेशक भी गवर्नमेंट सिक्योरिटी और बॉन्ड्स में निवेश कर सकेंगे। यानी आपको निवेश के लिए नया मार्केट मिलेगा। रिटेल डायरेक्ट स्कीम के आने के बाद गवर्नमेंट सिक्योरिटीज में निवेश के लिए आपको गिल्ट अकाउंट ओपन करना होगा। ये अकाउंट फ्री में ओपन होगा। अकाउंट को आरबीआई मैनेज करेगा और इसको आप ऑनलाइन ही ऑपरेट कर पाएंगे। ये अकाउंट आपके सेविंग बैंक अकाउंट से लिंक होगा।

इंटीग्रेटेड ओम्बड्समैन स्कीम

रिजर्व बैंक इंटीग्रेटेड ओम्बड्समैन स्कीम का उद्देश्य शिकायत निवारण तंत्र में और सुधार करना है। स्कीम के जरिए केंद्रीय बैंक की विनियमित संस्थाओं के ग्राहकों की शिकायतों का समाधान बेहतर तरीके से किया जाएगा। स्कीम की सेंट्रल थीम %वन नेशन वन ओम्बड्समैन पर आधारित है। इसके तहत एक पोर्टल, एक ई-मेल और एक पता होगा, जहां ग्राहक अपनी शिकायतें दर्ज कर सकते हैं। आप अपनी शिकायतों की स्थिति जान सकेंगे और फीडबैक दे सकेंगे। मल्टी-लिंगुअल टोल-फ्री नंबर भी दिया जायेगा। इसके जरिए आपको शिकायतों का समाधान करने और शिकायतें दर्ज करने से जुड़ी सभी जरूरी जानकारी मिल सकेगी।

को-ऑपरेटिव बैंकों को भी आरबीआई के दायरे में लाया गया

मोदी ने कहा, बैंकिंग सेक्टर को और मज़बूत करने के लिए को-ऑपरेटिव बैंकों को भी आरबीआई के दायरे में लाया गया है। इससे इन बैंकों की गवर्नेंस में भी सुधार आ रहा है और जो लाखों डिपॉजिटर्स हैं, उनके भीतर भी इस सिस्टम के प्रति विश्वास मजबूत हो रहा है।

डिजिटल ट्रांजैक्शंस में 19 गुणा की छलांग

डिजिटल ट्रांजैक्शन्स के बारे में बात करते हुए मोदी ने कहा, सिर्फ 7 सालों में भारत ने डिजिटल ट्रांजैक्शंस के मामले में 19 गुणा की छलांग लगाई है। आज 24 घंटे, सातों दिन और 12 महीने देश में कभी भी, कहीं भी हमारा बैंकिंग सिस्टम चालू रहता है। मोदी ने कहा, फिनटेक सेक्टर में टेक्नोलॉजी तेजी से बदल रही है। फाइनेंशियल सिस्टम को विश्व स्तर का बनाने की जुरूरत है।

देश को खंडित करने की बात करती है कांग्रेस : गृहमंत्री

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

प्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस देश को खंडित करने की बात करती है और सलमान खुर्शीद ने अपनी किताब सनराइज ओवर अयोध्या में उसी विचार को आगे बढ़ाया है। हम इस किताब को मध्यप्रदेश में बैन करने को लेकर विधि-विशेषज्ञों से राय लेंगे। वैश्विक ?नेता प्रधानमंत्री जी के? स्वागत के लिए प्रदेश की जनता पलक-पांवड़े बिछाकर इंतजार कर रही है। 15 नवंबर को देश भर में जनजातीय गौरव दिवस मनाने का निर्णय? लेकर प्रधानमंत्री जी ने भगवान बिरसा मुंडा जी समेत सभी आदिवासी महापुरुषों को सच्ची श्रद्धांजलि दी है। कांग्रेस में जो व्यक्ति पार्टी तोड़ने में लगा है, वही नारियल फोड़ने की बात कर रहा है। जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भोपाल आ रहे वैश्विक नेता प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री जी सभी मंत्रियों और अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक करेंगे।

कंगना पर नवाब मलिक का निशाना : एनसीपी नेता बोले-

एक्ट्रेस से पद्मश्री वापस लिया जाए, उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट के देश की आजादी को लेकर दिए गए बयान पर विवाद बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक ने अपनी डेली प्रेस कांफ्रेंस में कंगना पर निशाना साधा। मलिक ने एक्ट्रेस से पद्मश्री पुरस्कार वापस लेकर उनके खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की है। मलिक ने कहा कि कंगना ने उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का अपमान किया है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपनी जान दे दी। मलिक ने कहा कि उन्हें लगता है कि कंगना मलाना क्रीम (हिमाचली ड्रग) का ओवरडोज लेकर बयानबाजी कर रही हैं।

ऐसे और मामले सामने लाएंगे

पुणे में एंडोमेंट आबू ट्रस्ट है, जिसकी जमीन एमआईडीसी ने जारी की थी। झूठे कागजात बनाकर लोगों ने सरकारी दफ्तर से पैसा निकाला था। इस केस में 5 लोगों की गिरफ्तारी हुई और जांच पुलिस की चल रही है। 7 मामलों में केस दर्ज किया गया है, एक डिप्टी कलेक्टर की भी गिरफ्तारी हुई है।

वक्फ बोर्ड के मामले में सफाई दी

मलिक ने कहा कि भाजपा वाले कहते हैं कि वे नवाब मलिक का वक्फ बोर्ड का घोटाला उजागर करेंगे। ऐसी खबर फैलाई गई कि मेरे नियंत्रण में आने वाले वक्फ बोर्ड के कार्यालयों पर छापे पड़े हैं। मैं मांग करता हूं कि क्लीनअप ड्राइव शुरू कर दी जाए, जो भी मंदिर-मस्जिद और दरगाह की जमीन महाराष्ट्र हड़पी गई हैं, उसे सामने लाया जाए। भाजपा के पूर्व मंत्री ने मंदिर की सैकड़ों एकड़ जमीन पर कब्जा कर रखा है। पूर्व मंत्री ने यह जमीन कैसे हड़पी हम भी इसका भंडाफोड़ करेंगे।

मैं डरने वाला नहीं: मलिक

अपेक्षा है कि ED हमारा सहयोग करेगी, लेकिन जो अधिकारी यह समझ रहा है कि उनके आकाओं के कहने से नवाब मलिक डर जाएगा तो वह गलत समझ रहा है। नवाब मलिक किसी से डरने वाला नहीं।

क्या है मलाना क्रीम?

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में मलाना घाटी से आने वाली चरस या हैश को मलाणा क्रीम कहते हैं। चरस, जिसे हिमाचल प्रदेश के लोग भांग भी कहते हैं, उसे कैनाबिस पौधे के रेसिन से निकाला जाता है।

राम रहीम से दोबारा पूछताछ करेगी एसआईटी

पंजाब। पंजाब के फरीदकोट में श्री गुरू ग्रंथ साहिब की बेअदबी मामले में डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख राम रहीम से दोबारा पूछताछ होगी। पंजाब पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (स्ङ्कञ्ज) फिर रोहतक की सुनारिया जेल जाएगी। शुक्रवार को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में सरकारी वकील ने रिपोर्ट पेश करने के लिए 4 हफ्ते का वक्त मांगा। उन्होंने कहा कि अभी राम रहीम से और पूछताछ होनी है। हाईकोर्ट ने इसे मानते हुए सुनवाई को टाल दिया। मामले की अगली सुनवाई 17 दिसंबर को होगी। हाईकोर्ट में राम रहीम के सहयोग देने या न देने के बारे में एसआईटी ने कुछ नहीं कहा। जब सरकारी वकील ने दोबारा पूछताछ की बात कही तो हाईकोर्ट ने कहा कि इस बारे में पहले ही आदेश दिए जा चुके हैं।

सलमान खुर्शीद की किताब मध्यप्रदेश में बैन होगी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की किताब अयोध्या:नेशनहुड इन ऑवर टाइम्स पर मध्यप्रदेश में बैन लगाया जाएगा। राज्य के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि इस पर कानूनी विशेषज्ञों की राय भी ली जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता सिर्फ हिंदुत्व को बदनाम करने की कोशिश करते हैं। खुर्शीद ने अपनी किताब के चैप्टर द सैफ्रन स्काई में हिंदुत्व की तुलना आतंकी संगठन ISIS और बोकोहरम से की है।

पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए आप की पहली लिस्ट जारी

पंजाब। पंजाब में अगले साल मार्च में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट जारी कर दी है। AAP ने अपने 10 विधायकों को फिर टिकट देने का ऐलान किया है। पहली लिस्ट में कोई भी नया चेहरा शामिल नहीं किया गया है। पिछली बार पार्टी के टिकट पर कुल 20 विधायक जीते थे, इनमें से 10 विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं।

अमेरिकी यूनिवर्सिटी को बम से उड़ाने की धमकी

वाशिंगटन। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ साऊथ कैलिफोर्निया को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इसके बाद 3 इमारतों को आनन-फानन में खाली करा लिया गया। पुलिस ने पूरी यूनिवर्सिटी को कब्जे में लेकर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। घटना गुरुवार दोपहर की है। ट्विटर पर एक अनजान अकाउंट से ट्वीट कर यूनिवर्सिटी कैंपस को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी।

शाहरुख खान ने अपने सबसे पुराने बॉडीगार्ड रवि सिंह को दी बेटे की सुरक्षा की जिम्मेदारी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान कॉर्डिएला क्रूज ड्रग केस में फंसने के बाद से ही विवादों में हैं। कई हफ्तों तक जेल की सजा काटने के बाद आर्यन 29 अक्टूबर को जमानत पर छूटे हैं। जमानत के बावजूद आर्यन मीडिया और फैंस की नजरों से दूर हैं, लेकिन लगता है कि जल्द ही आर्यन पब्लिक अपीयरेंस देंगे, क्योंकि उन्हें अब एक पर्सनल बॉडीगार्ड मिल चुका है। अब से आर्यन की सुरक्षा की जिम्मेदारी शाहरुख खान के पुराने वफादार और सिक्योरिटी हेड रवि सिंह को दी गई है। आर्यन खान के जेल से छूटने के बाद से ही शाहरुख, उनके लिए एक बॉडीगार्ड की तलाश में थे, लेकिन अब ये तलाश पूरी हो चुकी है। हाल ही में आई बॉलीवुड लाइफ की खबर के अनुसार, नए बॉडीगार्ड को ढूंढने की बजाय शाहरुख खान ने अपने सिक्योरिटी हेड रवि सिंह को आर्यन के लिए अपॉइन्ट किया है। अब शाहरुख अपने लिए नए बॉडीगार्ड का प्रबंध करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार शाहरुख खान के नवाबजादे रिजर्व नेचर के हैं और उन्हें नए लोगों का साथ पसंद नहीं है। ऐसे में शाहरुख ने अपने पर्सनल बॉडीगार्ड को उनकी सुरक्षा के लिए तैनात कर दिया है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

95 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

कांग्रेस कलह पर हाईकमान चिंतित

सोनिया ने पंजाब इंचार्ज हरीश चौधरी के साथ 2 सेक्रटरी लगाए; कैप्टन का दांव संभालने की भी कोशिश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पंजाब कांग्रेस में मची कलह पर कांग्रेस हाईकमान की चिंता बरकरार है। सोनिया गांधी ने पंजाब इंचार्ज हरीश चौधरी के साथ 2 सेक्रेटरी भी लगा दिए हैं। जिनमें हर्षवर्धन और चेतन चौहान शामिल हैं। यह दोनों नेता इंचार्ज चौधरी के साथ पंजाब कलह को थामने की कोशिश में जुटेंगे। पंजाब में जल्द चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में कांग्रेस जीत की संभावना को देखते हुए हरसंभव कोशिश कर रही है। इसके अलावा सबसे अहम कैप्टन अमरिंदर सिंह का दांव है। जो अब कांग्रेस छोड़ पंजाब लोक कांग्रेस पार्टी बना चुके हैं। अमरिंदर पंजाब की सियासत के दिग्गज हैं। ऐसे में उनके सक्रिय होने पर कांग्रेस में बड़ी टूट न हो, उसे भी संभालना होगा।

सांसद भी सिद्धू और सरकार पर साध रहे निशाने

कांग्रेस की कलह को लेकर कांग्रेस के सांसद भी पार्टी लाइन से हटकर बयान दाग रहे हैं। लुधियाना से सांसद रवनीत बिट्?टू के निशाने पर नवजोत सिद्धू हैं। वह कई बार सिद्धू के बारे में सीधे नाम लेकर ही निशाने साध चुके हैं। वहीं, सांसद तिवारी के निशाने पर चन्नी सरकार है। उन्होंने क्चस्स्न के अधिकार बढ़ाने के मुद्दे पर सरकार को घेरा कि एक महीने बाद भी वो सुप्रीम कोर्ट क्यों नहीं किए?।

जाखड़ की नाराजगी बरकरार

पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान सुनील जाखड़ की नाराजगी भी बरकरार है। उन्हें बिना विवाद के हटा दिया गया और सिद्धू को प्रधान बना दिया गया। इसके बाद उन्हें हाईकमान ने पंजाब का पहला हिंदू ष्टरू बनाना चाहा लेकिन सिख स्टेट में सिख चेहरे की बात कहकर पत्ता काट दिया गया। इस वजह से पार्टी गतिविधियों से दूर होकर जाखड़ ट्विटर के जरिए पार्टी और सरकार पर निशाना साधते रहते हैं।

पहले सिद्धू और CM में चली खुली जंग

पहले पंजाब कांग्रेस चीफ नवजोत सिद्धू और ष्टरू चरणजीत चन्नी के बीच खुली जंग चल रही थी। सिद्धू एडवोकेट जनरल एपीएस देयोल और डीजीपी आईपीएस सहोता को हटाने की मांग पर अड़े रहे। इस जिद में उन्होंने चन्नी सरकार के सस्ती बिजली और पेट्रोल-डीजल रेट घटाने के अच्छे फैसलों की भी बखिया उधेड़कर रख दी। हालांकि अब्त्र को हटा दिया गया। डीजीपी बदलने के लिए क्क्रस्ष्ट पैनल का इंतजार किया जा रहा है। ऐसे में सिद्धू की जिद को मान हाईकमान ने फिलहाल यह जंग थाम ली है।

आईटीडीसी Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY 29 STATES ATTENTION Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

प्लाट बेचना है 1000 स्क्व्यर फीट स्वदेश नगर थाना अशोका गार्डन के पीछे भोपाल कांटेक्ट नंबर- 9893962422, 7000859059

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

बेचना है जंहागीराबाद की प्राइम लोकेशन पर रम्भा सिनेमा के पास 1230 sqft प्लाट पे 2 मंजिला मकान 10 कमरों के साथ मात्र 53 लाख मे संपर्क करें 7835920099

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 K M दुरी संपर्क, 8889911680,7611127324 ,7611106304

डुप्लेक्स मकान बेचना एसओएस बालग्राम वाली मैनरोड पर शिवलोक फेस-4 के पास कवर्ड कैंपस कॉलोनी में नया बना कीमत मात्र 30 लाख संपर्क 626444558, 6266978675.

बेचना है, डीप फ्रिज़र (वोल्टाज) ब्रांड न्यू 3 महीने पुराने, 500 ली. केपेसीटी (7 नग) रूपये 25000/- प्रति नग सम्पर्क 7000735468

For Immediate sale 2 BHK + furnished flat, vitrified tiles, modular kitchen, wardrobe, CCTV camera, parking, secured campus, Vardhman Green Park Ashoka garden call 9425028873

प्रोपर्टी खरीदना है भोपाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्लाट 1500-3000 Sqft, की ऑफिस चाहिये, 9451371422, 9329334701

5BHK + 3 Caqr parkings B1/501 (Brand new flat) For sale- Paras Urbane Park Bawadia kala (2Km from aura Mall)-(Saparate Servant Entry) 9893262222

5000 वर्गफीट का फार्महाउस बेचना फॉरचून लैंडमार्क मिसरोद से 2 किलोमीटर दूरी पर 30 फिट सीमेंट रोड पर कीमत 800 वर्गफीट 9174029757, 9340628575

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

With 2AC, 2 bhk fully furnished in Rohit Nagar Rent 14500/- Contact@ 8962643902, 8965979432.

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

किराये से देना शॉप 670 स्क्वायर फीट शॉप नंबर-42 ग्राउंड फ्लोर की आकृति बिजनेस सेंटर, रोहित नगर मेन रोड, बावड़िया कला भोपाल मो 9993418989, 7000155290

किराये से देना है, MIG-198, इन्दीरा नगर (मकोडिया आम) आगर रोड, उज्जैन 1 BHK, लेटबाथ, सम्पूर्ण मकान खुला हुआ है 7000735468

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

2BHK फर्निश्ड ग्राउंड फ्लोर. किराये से देना है कवर्ड कैंपस वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी अशोका गार्डन 24घंटे पानी. पार्किंग सर्वसुबिधायुक्त, फैमिली को प्राथमिकता 9826225200

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Apparthment opp board office MP nagar Rent- 23000 Contact 8889996171

98 Rohit Nagar – 1, Big 2BHK ground floor of independent house with 24hrs water for service class , pure vegetarian family only. Contact – 9620020829, 9827328523

Tolet मैंन अयोध्या बाईपास रोड पर रिंगाल ट्रेजर के पास 3200 वर्गफुट कमर्शियल स्पेस रेस्टोरेंट, बैंक ऑफिस, शोरूम, कोचिंग 9993902345,9425008604

ITDC JOB आवश्यकता

Wanted DTP Operator (Female) Hindi & English Typing, Graduate & Advt Space Marketing executive. NAS India Advertising, 10 no Stop, near SBI, E3/114, Arera Colony, Bhopal. Send resume to whatsapp 9826073332, 9617489777

Work from home part/full time work opportunity. Work (3-4), Students, Job person, housewives, businessman can apply. For more details call 9039890418, 9109793667

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLENCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के / लड़कियों की जो की दुकान पर से सेल्स कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क – 9303130069, 9827494909

Urgent required Female Office Assistant, (Graduate) office in Maharana Pratap Nagar, Knowledge of computer (Excle) is must. Salary 8000/- Forward Biodata, Mobile :9111930111.

आवश्कता है सेल्समेन एवं मार्केटिंग मेनेजर की अनुभवी को प्राथमिकता स्वयं का दोपहिया आवश्यक, एवरेस्ट रिसोसेंज , होटल वाव, अयोध्या बायपास भोपाल संपर्क - 9206669999, 9425009983

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क D K 3 / 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN 60 SECONDS
AIR TRAIN BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

Job Openings ITDC VACANCIES

खबर की खबर

मप्रः 15 से खुलेंगे आंगनबाड़ी केन्द्र, फिर से गूजेंगी बच्चों की किलकारियां

कोविड-19 के संक्रमण के दृष्टिगत हितग्राहियों की सुरक्षा की दृष्टि से महिला एवं बाल विकास की आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन बंद कर दिया गया था।

इस दौरान केंद्र की सेवाएं और पूरक पोषण आहार की प्रदायगी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार घर-घर जाकर दी जा रही थीं।

कोविड-19 का प्रभाव कम होते ही राज्य शासन के महिला बाल विकास विभाग द्वारा अब 15 नवंबर से कोविड-19 के संक्रमण से बचाव की एसओपी का पालन करते हुए पुनः आंगनवाड़ी केंद्रों को

खोलने का निर्णय लिया है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास सौरभ सिंह ने गुरुवार को बताया कि शासन के निर्देशानुसार 15 नवंबर से आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हितग्राहियों के साथ "आइए आंगनबाड़ी थीम" पर समारोह पूर्वक प्रारंभ किया जाएगा।

इस दिन कार्यक्रम का आयोजन कर स्थानीय समुदाय के सहयोग से खाद्य विविधता आधारित विशेष भोजन तैयार कर हितग्राहियों को परोसा जाएगा।

कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के सुरक्षात्मक उपाय का पालन करते हुए पूर्व की भांति नियत समय-सारणी अनुसार आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन किया जाएगा।

कोविड-19 संक्रमण काल में 3 से 6 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों को पूर्व में प्रदाय किया जा रहा रेडी-टू-ईट सामग्री का वितरण स्थगित कर बच्चों को नाश्ता एवं पका हुआ गर्म भोजन प्रदाय किया जाएगा।

सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को आवश्यक रिकॉर्डों का संधारण कर 3 से 6 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को प्रावधान अनुसार नाश्ता एवं ताजा गर्म पका भोजन प्रदाय करने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लेने के निर्देश दिए गए हैं।

सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को "आइए आंगनवाड़ी थीम" पर केंद्रों का संचालन कार्यक्रम आयोजित कर फोटोग्राफ्स सहित प्रतिवेदन भी भेजने को कहा गया है।

YES NO
BREAKING NEWS
खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत
PRESS ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण पर असर!

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय हालांकि शुक्रवार को राष्ट्रव्यापी राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) 2021 कर रहा है, लेकिन राज्यों को छात्रों की उपस्थिति और लॉजिस्टिक्स के संबंध में चिंता सता रही है, जिससे इस सर्वेक्षण में बाधा आ सकती है। हर तीन साल में आयोजित की जाने वाली इस प्रक्रिया-एनएएस का उद्देश्य स्कूली छात्रों में सीखने से जुड़ी कमी का आकलन करना होता है। इस वर्ष के संस्करण में विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के कारण स्कूली छात्रों की सीखने की क्षमताओं में होने वाले व्यवधानों का आकलन किया जा रहा है। इस सर्वेक्षण में देश के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 733 जिलों में 1,23,000 स्कूलों और 38 लाख छात्रों के शामिल होने की उम्मीद है। एनएएस 2021 का आयोजन कक्षा तीन और पांच के लिए भाषा, गणित और ईवीएस में किया जाएगा। कक्षा आठ के छात्रों का भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के लिए आकलन किया जाएगा, जबकि कक्षा 10 के छात्रों के लिए इन चार विषयों के अलावा अंग्रेजी का एक अतिरिक्त विषय रहेगा। यह परीक्षा 22 भाषाओं में आयोजित की जाएगी। अलबत्ता राज्यों को लॉजिस्टिक्स के साथ-साथ सर्वेक्षण के समय को लेकर चिंता सता रही है। गुजरात के प्रतिदर्श स्कूलों में शामिल एक स्कूल के अध्यापक ने कहा यह सर्वेक्षण ऐसे समय में किया जा रहा है, जब ज्यादातर राज्यों में अब भी कक्षा आठ तक स्वैच्छिक रूप से ऑफलाइन उपस्थिति है। बहुत-से छात्र और उनके माता-पिता अब भी ऑफलाइन कक्षाओं के प्रति सतर्क हैं। ऐसे समय में यह सर्वेक्षण शायद वह संभावित परिणाम न दे पाए, जिसकी उम्मीद सरकार कर रही है। इसके अलावा जहां एक ओर कुछ राज्यों में भारी बारिश जैसे जलवायु संबंधी दिक्कतें नजर आ रही हैं, वहीं दूसरी ओर अन्य राज्य अब भी त्योहार जनित अनुपस्थिति के दौर से गुजर रहे हैं। गुरुवार को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने भी केंद्र से यह सर्वेक्षण स्थगित करने का अनुरोध किया था।

2.34 लाख करोड़ का फटका : अडाणी की कंपनियों के शेयरों में 45 फीसदी की गिरावट, ट्रांसमिशन और गैस शेयरों के निवेशकों को जबरदस्त घाटा

» 11 जून को कुल मार्केट कैप 9.42 करोड़ रुपए था। शुक्रवार को 7.08 करोड रुपए हो गया

» गौतम अडाणी अब दुनिया में 21 वें सबसे अमीर बिजनेसमैन हैं, पहले वे 14 वें नंबर पर थे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अडाणी ग्रुप की कंपनियों के निवेशकों को पिछले 15-20 दिनों में 2.34 लाख करोड़ रुपए का फटका लगा है। यानी ग्रुप की लिस्टेड 6 कंपनियों के मार्केट कैप में इतनी गिरावट आई है। 11 जून को कुल मार्केट कैप 942,895 करोड़ रुपए था। शुक्रवार को यह 708,215 करोड रुपए पर आ गया है। यानी 234,680 करोड़ रुपए की कमी इसमें आई है।

शेयरों में इस तरह से रही गिरावट

कंपनी	1 साल का टॉप	शुक्रवार का भाव	गिरावट
अडाणी इंटरप्राइजेज	1,718	1.422	17.22%
अडाणी पोर्ट	901	710	21.19%
अडाणी ग्रीन	1,394	1,008	27.69%
अडाणी ट्रांसमिशन	1,647	959	41.77%
अडाणी टोटल गैस	1,680	920	45.23%
अडाणी पावर	167	109	34.73%

(आंकड़े रुपए में)

विदेशी निवेशकों का निवेश फ्रीज

दरअसल पिछले महीने ग्रुप की कंपनियों में विदेशी निवेशकों के निवेश को फ्रीज किए जाने की खबर आई थी। इसी के बाद से ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में लगातार गिरावट जारी है। इसमें सबसे ज्यादा गिरावट अडाणी टोटल गैस और अडाणी ट्रांसमिशन के शेयरों में आई है। ट्रांसमिशन का शेयर 1,647 रुपए से गिर कर 959 रुपए पर आ गया है। इसमें 41.77 फीसदी की गिरावट आई है। अडाणी टोटल गैस का शेयर 1,680 रुपए से घट कर 920 रुपए पर आ गया है। इसमें 45.23 फीसदी की कमी आई है।

इंटरप्राइजेज का शेयर 17 फीसदी घटा

इसी तरह अडाणी इंटरप्राइजेज का शेयर 1,718 रुपए से घट कर 1,422 रुपए पर आ गया है। इसमें 17.22 फीसदी की गिरावट आई है। पोर्ट कंपनी का शेयर 901 से गिर कर 710 रुपए पर आ गया है। इसमें 21.19 फीसदी की कमी आई है। अडाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर 1,394 रुपए से घट कर 1,008 रुपए पर आ गया है। इसमें 27.69 फीसदी की कमी आई है। अडाणी पावर का शेयर 34.73 फीसदी गिर कर 109 रुपए पर आ गया है। यह 167 रुपए पर कारोबार कर रहा था।

फेसबुक की इंटरनल रिपोर्ट में नया खुलासा

जो टीम प्लेटफॉर्म से भड़काऊ पोस्ट हटाती है कंपनी ने खर्च घटाने के लिए उसे ही कम किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

फेसबुक से जुड़े विवाद खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहे। एक दिन पहले ही कंपनी की इंटरनल रिपोर्ट में कुछ चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। ऐसे में अब फेसबुक का नया विवाद सामने आ गया है। कंपनी की इंटरनल रिपोर्ट में ये बात सामने आई है कि अपनी इन्फ्लेमेटरी और डिविसिव कंटेंट पर काबू पाने वाली ग्लोबल टीम को लगातार छोटा किया है। फेसबुक की ग्लोबल टीम भड़काऊ कमेंट और पोस्ट पर नजर रखती है। उन्हें हटाने का काम करती है। 6 अगस्त, 2019 की एक इंटरनल रिपोर्ट में कहा गया है कि खर्च को कम करने के लिए फेसबुक ने तीन संभावित लेवल प्रस्तावित किए थे।

फेसबुक रिव्यू टीम सिर्फ 25 फीसदी कंटेंट पर काम कर रही थी

फेसबुक के इस डॉक्यूमेंट में कहा है कि भड़काऊ पोस्ट पर लगाम लगाने जैसी गतिविधियों पर होने वाले खर्च का तीन चौथाई कम करने की योजना है। किसी यूजर या थर्ड पार्टी द्वारा उठाई गई आपत्ति वाले कंटेंट की समीक्षा के लिए यह टीम काम कर रही थी। डॉक्यूमेंट के मुताबिक, फेसबुक पर पोस्ट होने वाले भड़काऊ पोस्ट और कमेंट जैसे कंटेंट की समीक्षा के मामले में फेसबुक की टीम द्वारा अपनी तरफ से सिर्फ 25 फीसदी पर ही काम किया जा रहा था। कंपनी हेट कंटेंट के रिव्यू पर हर सप्ताह 2 मिलियन डॉलर (करीब 15 करोड़ रुपए) से अधिक खर्च कर रही थी। कंपनी ने अपने प्लान के चलते 2019 के आखिर तक हेट कंटेंट पर होने वाले कुल खर्च को 15 फीसदी तक कम कर दिया था।

फेसबुक की कॉस्ट कटिंग का यूजर पर असर नहीं: फेसबुक

भारत में फेसबुक के 34 करोड़ से ज्यादा यूजर्स हैं। यूजर्स की संख्या के लिहाज से भारत फेसबुक का सबसे बड़ा मार्केट भी है। पिछले 18 महीने में फेसबुक पर इस तरह के पोस्ट आने के मामले घटे हैं। फेसबुक ने एक इंटरनल डॉक्यूमेंट में कहा है, आप इसे इस तरह समझ सकते हैं कि फेसबुक की कॉस्ट कटिंग का इसके यूजर पर कोई असर पड़ने की आशंका नहीं है। सवाल यह है कि हम कैपेसिटी कम करने के तरीके पर किस तरह अमल कर सकते हैं। अब यूजर की रिपोर्ट के हिसाब से ही इस तरह के कदम उठाए हैं। फेसबुक ने पिछले दो साल की मल्टिपल इंटरनल रिपोर्ट्स में कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए। इसमें कहा गया कि 2019 लोकसभा चुनाव अभियान में एंटी-माइनॉरिटी और एंटी-मुस्लिम बयानबाजी पर रेड फ्लैग में वृद्धि देखी गई थी। जुलाई 2020 की एक रिपोर्ट में इस बात को हाईलाइट किया गया है कि पिछले 18 महीने में इस तरह के पोस्ट में तेजी से वृद्धि हुई।

MMR टीकाकरण से जुड़े फेक कंटेंट को बढ़ावा दिया

फेसबुक से जुड़ी एक नई रिसर्च में कहा गया है कि कंपनी ने कोविड-19 महामारी और वैक्सीनेशन से जुड़ी कई फेक प्रोफाइल को फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रमोट किया। इसके चलते बीते साल इन प्रोफाइल के 370,000 फॉलोअर्स बन गए। फेसबुक ने अपने अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर जिन ग्रुप को बढ़ावा दिया उनमें एक्सपेरिमेंट के नाम पर बच्चों की हत्या करने की बात की जा रही थी। इंस्टाग्राम पर एंड्रयू वेकफील्ड की एक डॉक्युमेंट्री को प्रमोट किया गया, जिसमें रूब्र्क टीकाकरण और ऑटिज्म से जुड़े फेक कंटेंट को बढ़ावा दिया गया।

टाइम मैगजीन ने कवर पर लिखा डिलीट फेसबुक: एक अन्य खुलासे में फ्रांसेस हौगेन ने फेसबुक पर आरोप लगाया था कि उसके प्रोडक्ट बच्चों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसके बाद टाइम मैगजीन ने भी जुकरबर्ग को निशाने पर लिया था। फेसबुक का विरोध करते हुए मैगजीन ने अपने कवर पर जुकरबर्ग का फोटो लगाकर डिलीट फेसबुक के टेक्स्ट के साथ कैंसिल या डिलीट के ऑप्शन को छापा था।

गजब की नौकरी

बिजनेसमैन ने महिला को फेसबुक खोलने पर थप्पड़ मारने की नौकरी दी, 9 साल से चल रहा सिलसिला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

आप जब भी फेसबुक ओपन करें, कोई आपको थप्पड़ मार दे। सोचिए आपको कैसा लगेगा। हालांकि, फेसबुक से अपनी लत को छुड़ाने के लिए एक शख्स ने ऐसा किया है। इस शख्स का नाम है मनीष सेठी। ये भारतीय-अमेरिकी उद्यमी हैं। उनकी कंपनी पावलोक जिम, मेडिटेशन से जुड़े डिवाइस बनाती है। मनीष ने फेसबुक की लत को छुड़ाने के लिए एक महिला को नौकरी पर रखा है। इस महिला का नाम कारा है। मनीष जब भी फेसबुक को खोलने की कोशिश करते हैं कारा उन्हें जोरदार थप्पड़ चिपका देती है। इस काम के लिए कारा को 8 डॉलर (करीब 600 रुपए) प्रति घंटे मिलते हैं। फेसबुक की लत छुड़ाने वाली इस अजीबोगरीब नौकरी पर दुनिया के एलन मस्क ने रिएक्शन दिया है।

मस्क के रिएक्शन से वायरल हई खबर

जब दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने इस वायरल खबर पर रिएक्शन दिया, तो यह सबके सामने आ गई। मस्क ने इस घटना को शेयर करते हुए फायर की इमोजी बनाई। जैसे ही मस्क ने इसे शेयर किया तो मनीष सेठी इस पर रिप्लाई भी किया। उन्होंने लिखा कि इस तस्वीर में लड़का मैं ही हूं। एलन मस्क के शेयर के बाद शायद मेरी रीच अब ज्यादा हो जाएगी। मनीष 9 साल से फेसबुक की लत को छुड़ाने के लिए थप्पड़ वाला प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कारा को 2012 से नौकरी पर रखा है। सेठी ने 2012 के विज्ञापन में लिखा था, जब मैं समय बर्बाद कर रहा हूं।

ओएनजीसी निजी भागीदार जोड़े

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सुझाव दिया है कि तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) को कच्चे तेल एवं गैस का उत्पादन बढ़ाने की खातिर निजी भागीदारों को जोडऩे के लिए अपनी उत्पादन परिसंपत्तियों के हिस्से चिह्नित करने चाहिए। इन विकल्पों में निजी कंपनियों को हिस्सेदारी बेचना और साझेदारी की संभावनाएं तलाशना शामिल है। पेट्रोलियम सचिव तरुण कपूर ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया, हम ओएनजीसी को खोज क्षेत्र बढ़ाने के लिए कह रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत का कच्चा तेल उत्पादन बढऩा चाहिए, जिसके लिए ओएनजीसी को अपना पोर्टफोलियो बढ़ाना चाहिए और ज्यादा खोज करनी चाहिए। उन्हें गहरे समुद्र में खोज के लिए निजी उद्यमियों को जोडऩा चाहिए और मौजूदा क्षेत्रों से उत्पादन बढ़ाना चाहिए। कपूर एक पत्र के बारे में सवालों का जवाब दे रहे थे। यह पत्र पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (अन्वेषण) अमर नाथ ने ओएनजीसी को लिखा था, जिसमें कंपनी से दो उत्पादन परिसंपत्तियों में अपनी 60 फीसदी हिस्सेदारी विदेशी कंपनियों को बेचने के लिए कहा गया था। अमरनाथ ओएनजीसी के बोर्ड में सरकार द्वारा मनोनीत निदेशक के रूप में शामिल हैं। सरकार के रुख के बारे में एक सरकारी अधिकारी ने कहा, %पेट्रोलियम मंत्रालय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के कामकाज में दखल नहीं देता है। यह पत्र ओएनजीसी को उत्पादन बढ़ाने के तरीकों पर महज एक सुझाव था। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन बढ़ाने के बारे में ऐसे प्रस्ताव ओएनजीसी के भीतर से भी आए हैं। अधिकारी ने कहा, %अगर ओएनजीसी विस्तार करना चाहती है तो उसे कुछ काम छोडऩा और उन्हें आउटसोर्स करना होगा। सफल राष्ट्रीय तेल कंपनियां यही तरीका अपनाती हैं। नाथ ने ओएनजीसी के चेयरमैन सुभाष कुमार को भेजे पत्र में कहा, देश में खोज क्षेत्र के विस्तार के लिए ओएनजीसी को स्टार्टअप, निवेश न्यास, सोसाइटी, फर्मों और कंपनियों आदि तरीकों से अपनी ड्रिलिंग एवं कुआं सेवाओं का विनिवेश करना चाहिए। नाथ के 28 अक्टूबर 2021 के पत्र में कहा गया है, %सेवाओं/ड्रिलिंग सेवाओं को अलग करने से कंपनी उसी कमाई के साथ परिसंपत्ति के लिहाज से हल्की बन सकती है। इससे यह पूंजी कुशलता बढ़ा सकती है, घरेलू खोज एवं उत्पादन को बढ़ाने में मदद दे सकती है, प्रतिस्पर्धी बन सकती है और लागत घटा सकती है।%

ईंधन पर कर कटौती से राज्यों पर पड़ेगा 44,000 करोड़ का बोझ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इक्रा के अनुमान के मुताबिक पेट्रोल व डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क और राज्य स्तर पर मूल्यवर्धित कर में कटौती किए जाने से राज्यों को चालू वित्त वर्ष में 44,000 करोड़ रुपये राजस्व का नुकसान होगा। इक्रा में मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि केंद्र सरकार ने उत्पाद शुल्क में सड़क उपकर के हिस्से में कटौती की है, जिसे राज्यों के साथ साझा नहीं किया जाता है। ऐसे में इस कटौती से वैट के हिस्से में 9,000 करोड़ रुपये की कमी आएगी क्योंकि राज्य का कर इसी के अनुपात में लगाया जाता है। उन्होंने यह भी अनुमान लगाया है कि राज्यों का वैट कटौती से अनुमानित नुकसान 35,000 करोड़ रुपये होगा। अब तक 25 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों ने पेट्रोल व डीजल पर वैट में कमी की है। रेटिंग एजेंसी ने कहा है कि राज्यों के खजाने को 44,000 करोड़ रुपये का नुकसान केंद्र के अनुमानित राजस्व नुकसान के आधार पर लगाया गया है। बहरहाल वित्त मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष के अंतिम 5 महीने में 60,000 करोड़ रुपये नुकसान का अनुमान लगाया है। इक्रा को उम्मीद है कि केंद्रीय कर का विभाजन बजट अनुमान से 60,000 करोड़ रुपये ऊपर चला जाएगा। बीई में इसे 6.7 लाख करोड़ रुपये रखा गया है। इसके बावजूद राज्यों को कर विभाजन वित्त वर्ष 21 और वित्त वर्ष 22 की पहली छमाही में 2.6 लाख करोड़ रुपये के करीब बगैर बदलाव के बना रहेगा। मासिक हिसाब से देखें तो जुलाई सितंबर 2021 के हर महीने में 47,500 करोड़ रुपये हो गया, जो इसके पहले के तीन महीनों में हर महीने 39,200 करोड़ रुपये था।

गोल्ड-सिल्वर अपडेट : 5 महीने बाद सोना फिर 49 हजार के पार पहुंचा, आने वाले दिनों में जारी रह सकती है तेजी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सोने-चांदी में इस समय अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। इसी का नतीजा है कि 5 महीने बाद फिर एक बार 49 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के पार निकल गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार आज सर्राफा बाजार में सोना 769 रुपए महंगा होकर 49,140 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले जून में सोना 49 हजार के पार गया था। वहीं चांदी की बात करें तो ये भी 66 हजार रुपए प्रति किलोग्राम के पार निकलकर 66348 रुपए पर पहुंच गई है। आज इसकी कीमत में 1,792 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले दिनों में सोने-चांदी में तेजी जारी रह सकती है। वायदा बाजार की बात करें तो यहां भी सोने में बढ़त देखने को मिल रही है। शाम 4 बजे MCX पर सोना 452 रुपए की बढ़त के साथ 49,306 रुपए पर ट्रेड कर रहा है। वहीं चांदी की बात करें तो ये 727 रुपए की बढ़त के साथ 66,605 रुपए पर ट्रेड कर रही है। सोने में मौजूदा मजबूती के बावजूद अपने रिकॉर्ड हाई से काफी सस्ता चल रहा है। सोना पिछले साल अगस्त में 56,200 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा था। लेकिन अभी ये 49,140 रुपए पर है। ये अपने रिकॉर्ड हाई से 7,060 रुपए प्रति 10 ग्राम सस्ता चल रहा है।

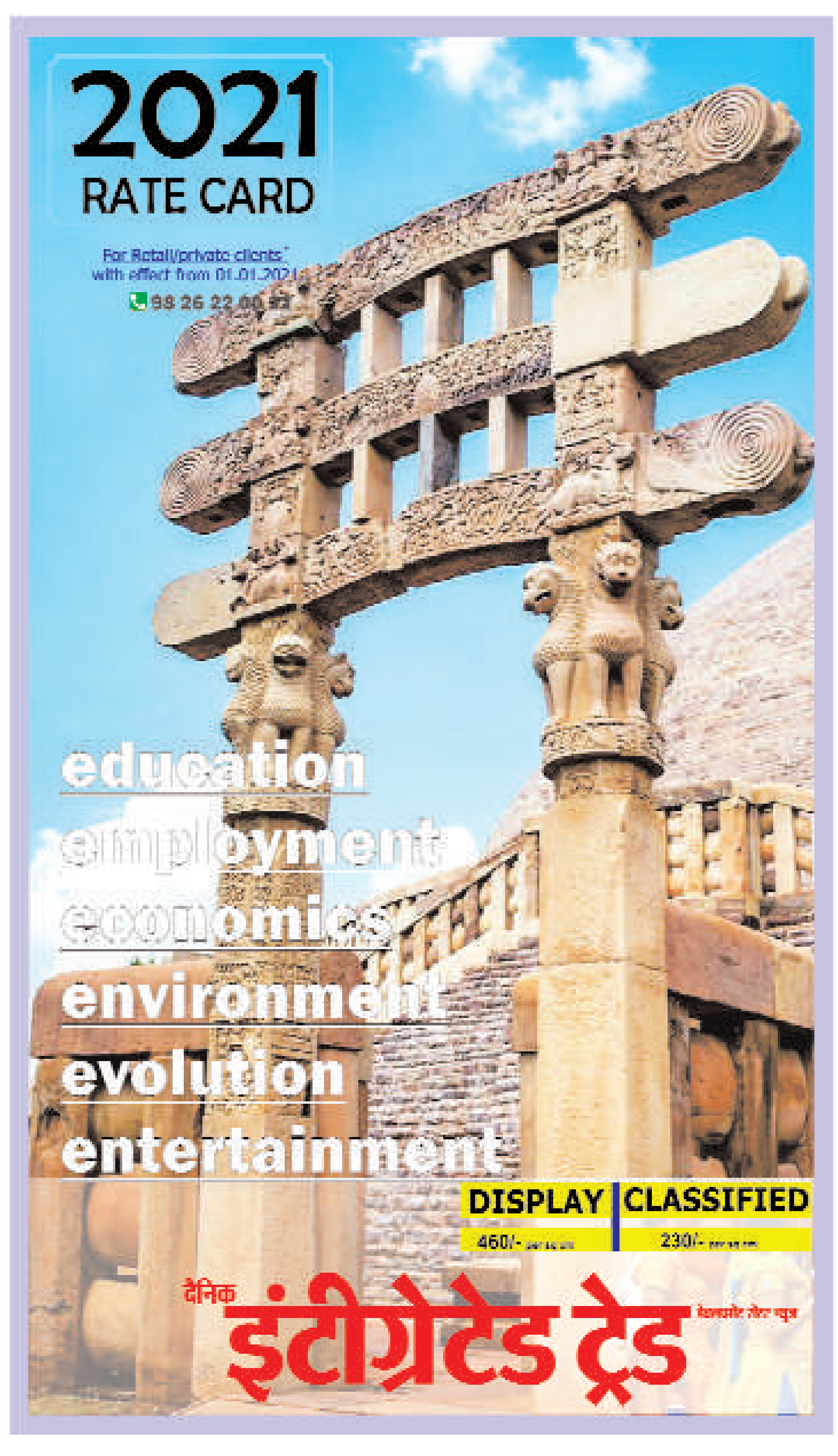

त्रिपुरा में हिंसा : नफरत और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण

- राम पुनियानी

समय के साथ, सांप्रदायिक हिंसा के स्वरूप और एजेंडा में बदलाव आ रहे हैं। त्रिपुरा और इसके पहले असम में सांप्रदायिक सोच और हिंसा ने घुसपैठ बना ली है। सत्ताधारी दल यह दावा कर सकता है कि उसके शासनकाल में कोई बड़ा दंगा नहीं हुआ। सच तो यह है कि अब सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के लिए हिंसा की जरूरत ही नहीं है। इस लक्ष्य को पहले ही काफी हद तक हासिल कर लिया गया है। हमारे देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा बहुत आम हो गई है। जहां एक ओर प्रधानमंत्री पोप से गले मिल रहे हैं वहीं दूसरी ओर देश में ईसाईयों के खिलाफ हिंसा की छोटी-छोटी घटनाएं हो रहीं हैं। एक समुदाय के रूप में मुसलमान भी हिंसा का शिकार हैं। सांप्रदायिक हिंसा का समाज पर कुप्रभाव स्पष्ट देखा जा सकता है। इसके नतीजे में मुसलमानों का हाशियाकरण हो रहा है। अलगाव का भाव मुसलमानों पर किस कदर हावी हो गया है यह इससे साफ़ है कि उनके एक तबके ने हाल में एक मामूली से क्रिकेट मैच में पाकिस्तान की जीत पर पटाखे फोड़े। सरहद के उस पार भी सांप्रदायिक तत्वों की कोई कमी नहीं है। पाकिस्तान के एक मंत्री महोदय ने निहायत बेवकूफाना बात कही। उन्होंने क्रिकेट मैच में पाकिस्तान की विजय को इस्लाम की जीत निरुपित किया! इसी तरह की सोच रखने वाले एक क्रिकेट खिलाड़ी ने हिन्दुओं के सामने नमाज पढ़ने को मुसलमानों की श्रेष्ठता का सुबूत बताया है। ऐसे लगता है कि मूर्खता की कोई सीमा ही नहीं है।

इसी बीच, त्रिपुरा में सांप्रदायिक हिंसा हुई। इस हिंसा के लिए बांग्लादेश में दुर्गापूजा के दौरान हिन्दुओं और उनके पूजास्थलों पर अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय हमलों को बहाना बनाया गया। वर्तमान में त्रिपुरा में भाजपा का शासन है। इस राज्य में एक लम्बे समय तक वामपंथी सत्ता में रह चुके हैं और उस दौरान वहां सांप्रदायिक हिंसा की एक भी वारदात नहीं हुई थी। त्रिपुरा में हिंसा की शुरुआत विहिप, आरएसएस और उनसे जुड़े संगठनों द्वारा रैलियां निकाले जाने के बाद हुई। इन रैलियों में इस आशय के नारे लगाये गए कि सच्चे हिन्दुओं को एक होकर अपनी रक्षा के लिए त्वरित कदम उठाने चाहिए। उन्हें राजनैतिक और अन्य मतभेदों को भुलाकर एक हो जाना चाहिए। इन रैलियों के जरिये यह डर पैदा करने की कोशिश की गई कि हिन्दू खतरे में हैं। और इससे सांप्रदायिक वैमनस्य फैलना स्वाभाविक था। अगर मुसलमान कुछ ही किलोमीटर दूर स्थित सीमा के उस पार हिन्दुओं पर अत्याचार कर सकते हैं तो उन्हें यहां हिन्दुओं पर हमले करने से भला कौन रोकेगा? इन प्रदर्शनों में ये नारे भी लगाये गए कि बांग्लादेश में हिन्दुओं को आत्मरक्षा के लिए हथियार उपलब्ध करवाए जाने चाहिए। भड़काऊ रैलियां, मस्जिदों में आगजनी और मुसलमानों की सम्पतियों पर हमले चलते रहे और सरकार हिंसा को रोकने का नाटक भर करती रही। राज्य में हिंसा की कम से कम 20 घटनाएं हुईं,15 मस्जिदों पर हमले हुए और तीन को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। और यह सब तब हुआ जबकि पुलिस का दावा है कि उसने हिंसा पर नियंत्रण के लिए हर संभव प्रयास किये। डॉ विभूति नारायण राय (उत्तरप्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक और महात्मा गांधी अंतरर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, के पूर्व कुलपति) की यह स्पष्ट मान्यता है कि सरकार के प्रच्छन्न समर्थन के बगैर साम्प्रदायिक हिंसा 48 घंटे से अधिक अवधि तक जारी नहीं रह सकती।

लोगों को भड़काने में अफ्वाहों की भूमिका से हम सब वाकिफ हैं। पहले अफ्वाहें एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक मुंहजबानी फैलाई जातीं थीं। अब सोशल मीडिया अफ्वाहें फैलाने और दूसरे समुदायों के खिलाफ नफ्रत पैदा करने का शक्तिशाली हथियार बन गया है। बताया यह जाता है कि अल्पसंख्यक समुदाय, बहुसंख्यकों पर अत्याचार कर रहा है। सोशल मीडिया की पहुंच और प्रभाव बहुत व्यापक है। सोशल मीडिया पर कही जा रही बातों पर लोग आसानी से भरोसा कर लेते हैं। राजनीति के खेल खेलने वालों ने अपने-अपने आईटी सेल और सोशल मीडिया योद्धाओं की सेनाएं तैयार कर लीं हैं जो अपने-अपने आकाओं के निर्देश पर अफ्वाहें और झूठ फैलातीं हैं। अधिकांश मामलों में गरीब लोग भावनाओं में बहकर सड़कों पर हिंसा करने उतर आते हैं। नफ्रत हमारे समाज में किस हद तक घर कर गई है इसका एक उदाहरण यह है कि गुजरात के आणंद में एक होटल के सामने की सड़क सिर्फ इसलिए धोई गई क्योंकि होटल के मालिकों में से एक मुसलमान था! हिन्दुओं और ईसाईयों के खिलाफ घृणा का भाव हमारी सामूहिक सामाजिक सोच का हिस्सा बनता जा रहा है। इसके पहले देश में अनेक सुनियोजित भयावह दंगे हो चुके हैं। इनमें मुंबई (1992-93), गुजरात (2002), कंधमाल (2008) और मुज्जफ्रनगर (2013) शामिल हैं। सन् 2013 के बाद से (दिल्ली 2020 को छोड़कर) बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक दंगे नहीं हुए हैं। दिल्ली की हिंसा शाहीन बाग़ में आन्दोलनरत लोगों को सबक सिखाने के लिए की गई थी। शाहीन बाग़, स्वाधीन भारत का सबसे बड़ा प्रजातान्त्रिक आन्दोलन था।

संपादकीय

इस अपमान का जवाब क्या सरकार देगी

क्या कंगना राणावत भारत के इतिहास से बिलकुल परिचित नहीं हैं, क्या कंगना राणावत को खुद को सर्वज्ञानी समझती हैं, क्या कंगना राणावत को एक कलाकार के रूप में मिली प्रसिद्धि काफी नहीं लगती, जो बार-बार ऐसे बयान देती हैं, जिनसे विवाद पैदा हो, क्या कंगना राणावत को मोदी सरकार में इस बात का अभयदान मिल चुका है कि वो जो मुंह में आए वो बोलें और कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकेगा। ये सारे सवाल आज इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि इस बार अपने विवादित बयानों के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए कंगना ने सरकार के लिए भक्ति और चाटुकारिता की सारी हदें ही पार कर दी हैं। कंगना राणावत ने एक गोदी मीडिया वाले चैनल के कार्यक्रम में कहा कि अगर आजादी भीख में मिले, तो क्या वो आजादी हो सकती है। कंगना के मुताबिक 1947 में जो आजादी मिली थी वो भीख थी, असली आजादी 2014 में मिली है। इसी कार्यक्रम में कंगना ने खुद को सच्चा देशभक्त बताया और साथ ही ये भी कहा कि वो प्रधानमंत्री मोदी को सुपर स्टार मानती हैं।

कोई और मंच होता या किसी सामान्य नागरिक ने आजादी को लेकर ऐसी बात कही होती तो अब तक शायद उस पर देशद्रोह का मुकदमा अब तक चल चुका होता, या कथित राष्ट्रवादी सेना इसे तिरंगे का अपमान बताती हुई, उस मंच पर तोड़-फोड़ करने पहुंच चुकी होतीं, लेकिन बात कंगना राणावत ने कही है, तो इस बात की उम्मीद ही अधिक है कि मोदी सरकार इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देगी, न कंगना पर किसी तरह की सख्ती बरती जाएगी। बल्कि ये हो सकता है कि अभी तो उन्हें केवल 4 नेशनल अवार्ड और एक पद्मश्री मिला है, अगले ढाई सालों में यानी 2024 तक उन्हें पद्मविभूषण तक के सम्मान मिल जाएंगे। इस देश में मौजूदा सरकार को कुछ और वक्त दिया गया तो कंगना जैसे लोगों को भारत रत्न का हकदार भी बताया जा सकता है। अभी ये बातें सुनने में अतिशयोक्ति लग सकती हैं, लेकिन इस वक्त देश में जैसा हाल बन चुका है, उसमें इस तरह की कोई भी बात बड़ी नहीं लगेगी। आज से सात साल पहले आजादी, देश के इतिहास, देश के महापुरुष, पिछली सरकारों को हासिल उपलब्धियों और विपक्षी नेताओं के लिए इस तरह की बातें कहां होती थीं। कुछेक मंचों से जरूर इस तरह की अनर्गल बातें कही जाती थीं, तो लोग तुरंत उस पर जवाब देते थे और तर्कों के साथ बातों को खारिज करते थे। मगर अब तो कुतर्कों, अपशब्दों, अपमानजनक बातों और इतिहास की गलत व्याख्या का एक सिलसिला चल पड़ा है, जिसे रोकने की जगह बढ़ाया जा रहा है।

कंगना राणावत के बयान पर भाजपा सांसद वरुण गांधी ने जरूर जवाब दिया। वरुण ने लिखा- कभी महात्मा गांधी जी के त्याग और तपस्या का अपमान, कभी उनके हत्यारे का सम्मान, और अब शहीद मंगल पाण्डेय से लेकर रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों का तिरस्कार। इस सोच को मैं पागलपन कहूं या फिर देशद्रोह? किसी भी भारतीय को आजादी का भीख में मिलने वाला बयान चुभेगा ही, इसलिए वरुण गांधी ने अपनी बात सामने रखी। मगर इस पर कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर जवाब दिया क्योंकि उनके ट्विटर एकाउंट पर अभी बैन है। कंगना ने लिखा 'जबकि मैंने साफ-साफ 1857 में हुए देश के पहले स्वतंत्रता संग्राम का जिक्र किया है जो कि असफल रहा। इसकी वजह से ब्रिटिशर्स की ओर से हमें काफी अत्याचार और क्रूरता झेलनी पड़ी। ...और फिर लगभग 100 सालों बाद हमें आजादी दी गई गांधी की भीख पर। जा और रो अब।' इधर हिन्दुस्तानी आवामी मोर्चा के अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने भी इस बयान पर कड़ा विरोध जताया है। कंगना राणावत को हाल ही में पद्मश्री सम्मान दिया गया है। श्री मांझी ने राष्ट्रपति से मांग की है कि कंगना से ये सम्मान वापस ले लेना चाहिए। मांझी ने ट्वीट में आगे लिखा है कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो दुनिया समझेगी कि गांधी,नेहरू,भगत सिंह, पटेल, कलाम, मुखर्जी, सावरकर सब के सब ने भीख मांगी तो आजादी मिली! मांझी ने ये भी लिखा है कि ऐसी कंगना पर लानत है। एक सांसद को तो जा और रो अब जैसे अपमान भरे लहजे में कंगना ने जवाब दिया है, देखना होगा कि एक पूर्व मुख्यमंत्री को वो किस तरह जवाब देती हैं। और बीजेपी अपने सांसद, अपने गठबंधन साथी के साथ खड़े होती है या नहीं। वैसे क्या कंगना राणावत में इतनी हिम्मत है कि वो सरकार से पूछें कि जब आजादी 2014 में मिली तो अभी किस बात का अमृत महोत्सव माना जा रहा है। कंगना इससे पहले भी कई बार विवादित बयान दे चुकी हैं। कभी किसान आंदोलन को आतंकी कहा, कभी बंगाल चुनाव में भाजपा की हार के बाद एक ट्वीट में खून की प्यासी राक्षसी ताड़का कहा, उनका इशारा ममता बनर्जी की ओर था। वेब सीरीज तांडव पर खड़े हुए विवाद में भी कंगना कूदी थीं, रिप्ड जींस का विवाद हो या इजरायल-फिलीस्तीन संघर्ष, हर मसले पर कंगना ने अपनी विशेषज्ञता दिखाते हुए टिप्पणी की है, जो उनके बड़बोलेपन को तो दर्शाती ही है, ये भी दिखाती है कि कंगना प्रचार की कितनी भूखी हैं। प्रचार पाने की चाह में अब वो देश की आजादी को भी घसीट लाईं, इसे भीख में मिला बता दिया, जबकि इस देश के आजाद नागरिक आज भी उन लोगों के ऋण से उबर नहीं पाए हैं, जिन्होंने अपना सब कुछ दांव पर लगाकर आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया।

काबुल पर अनिश्चितता कायम

रही बात, गुरुवार को पाकिस्तान में हुई बैठक की, तो इसमें अफगानिस्तान मसले से जुड़े तमाम खिलाड़ियों ने शिरकत की। चीन और रूस का बैठक में शामिल होना समझा जा सकता है, लेकिन अमेरिकी प्रतिनिधि का इस्लामाबाद पहुंचना समझ से परे है। तब तो और, जब अफगानिस्तान की दो दशक लंबी जंग में पाकिस्तान के कारण ही अमेरिकी फौज को हार का मुंह देखना पड़ा हो। बेशक ह्वाइट हाउस न चाहता हो कि 'दिल्ली डायलॉग' में वह ईरान के सामने आए, लेकिन कम से कम भारत के पक्ष में एक बयान तो जारी कर ही सकता था। नई दिल्ली हमेशा से अमेरिका की तरफदारी करती रही है, जबकि इस्लामाबाद उसके साथ परोक्ष जंग में भी मुब्तिला रहा। बावजूद इसके, अमेरिका ने पाकिस्तान से दोस्ती और भारत से दूरी का परिचय दिया। उसके इस रुख का अफगानिस्तान पर आगे क्या असर होगा, इसका पता तो बाद में चलेगा, लेकिन इसी कूटनीति ने अफगानिस्तान में उसकी लुटिया डुबोई है।

राजीव डोगरा

अफगानिस्तान की जो कहानी करीब चार दशक पहले तत्कालीन सोवियत संघ की फौज के आने के साथ शुरू हुई थी, उसकी पटकथा भले बदलती रही, लेकिन भूमिका एक ही है। पाकिस्तान आग का एक दरिया है और अफगानिस्तान के लिए इसमें से डूबकर जाना है। फिर चाहे वह अमेरिका हो, चीन हो, भारत या अन्य कोई देश। अफगानिस्तान के मामले में तमाम मुल्कों के लिए पाकिस्तान या तो रास्ते का पत्थर है या वह राह देता भी है, तो अपनी शर्तों पर। दुनिया इस मसले का समाधान अब तक ढूंढ़ नहीं पाई है। ऐसे में, 10 नवंबर को दिल्ली में, और 11 नवंबर को इस्लामाबाद में अफगानिस्तान मसले पर जो बैठकें हुईं, उनके अलग-अलग पहलू स्वाभाविक थे, पर मकसद समान था कि अफगानिस्तान अब जिस दिशा में जा रहा है, उसका समाधान क्या है?

पहले चर्चा दिल्ली में हुई राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्तर की बैठक की। इसमें अमेरिका, चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे अहम देश शामिल नहीं हुए। मगर जो दुखियारे राष्ट्र थे और जिनको लग रहा था कि काबुल के बदलते घटनाक्रम का उन पर नकारात्मक असर पड़ेगा, वे सभी एकजुट हुए। इस बैठक के दो आयाम हैं। पहला, तमाम राष्ट्र अफगानों को मानवीय मदद पहुंचाने के हिमायती हैं। काबुल से यही खबरें आ रही हैं कि वहां बच्चों तक को खाना नहीं मिल पा रहा और परिवार असहाय हैं। इनको मदद पहुंचाने को लेकर बैठक में शामिल सभी राष्ट्र एकमत हैं।

बैठक की दूसरी वजह थी, क्षेत्रीय सुरक्षा। आज अफगानिस्तान में तालिबानी शासन के अधीन जो कुछ हो रहा है, वह सुखद नहीं है। हालांकि, इसे तालिबानी नहीं, हक्कानी शासन कहना ज्यादा उचित होगा, और यह सभी जानते हैं कि हक्कानी पाकिस्तान की खुफिया

एजेंसी आईएसआई का अभिन्न अंग है। आईएसआई के अफसरान अफगानिस्तान में सुरक्षा से जुड़े तमाम विभागों से जुड़े हैं। नंगरहार प्रांत में तो जमात-उद-दावा के रंगरूटों को ट्रेनिंग भी दी जा रही है, जिनका निशाना कौन-कौन होगा, यह कोई अबूझ पहेली नहीं है। भारत तो स्वाभाविक तौर पर केंद्र में होगा, लेकिन ताजिकिस्तान भी 90 के दशक में तालिबान को भुगत चुका है। उज्बेकिस्तान को लेकर रूस की अपनी चिंताएं हैं। इस बदलते घटनाक्रम से नशे की तस्करी में इजाफा होने की आशंका भी मास्को को परेशान कर रही है।

रही बात, गुरुवार को पाकिस्तान में हुई बैठक की, तो इसमें अफगानिस्तान मसले से जुड़े तमाम खिलाड़ियों ने शिरकत की। चीन और रूस का बैठक में शामिल होना समझा जा सकता है, लेकिन अमेरिकी प्रतिनिधि का इस्लामाबाद पहुंचना समझ से परे है। तब तो और, जब अफगानिस्तान की दो दशक लंबी जंग में पाकिस्तान के कारण ही अमेरिकी फौज को हार का मुंह देखना पड़ा हो। बेशक ह्वाइट हाउस न चाहता हो कि 'दिल्ली डायलॉग' में वह ईरान के सामने आए, लेकिन कम से कम भारत के पक्ष में एक बयान तो जारी कर ही सकता था। नई दिल्ली हमेशा से अमेरिका की तरफदारी करती रही है, जबकि इस्लामाबाद उसके साथ परोक्ष जंग में भी मुब्तिला रहा। बावजूद इसके, अमेरिका ने पाकिस्तान से दोस्ती और भारत से दूरी का परिचय दिया। उसके इस रुख का अफगानिस्तान पर आगे क्या असर होगा, इसका पता तो बाद में चलेगा, लेकिन इसी कूटनीति ने अफगानिस्तान में उसकी लुटिया डुबोई है।

अफगानिस्तान के मामले में पाकिस्तान किस तरह से दुनिया को गुमराह कर रहा है, इसका एक ज्वलंत उदाहरण पिछले दिनों दिखा। दरअसल, भारत ने वहां 50 हजार टन गेहूं और मेडिकल सप्लाई भेजनी चाही थी, लेकिन पाकिस्तान ने ट्रकों को रास्ता नहीं दिया। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान अफगानिस्तान को राहत पहुंचाने की झूठी वैश्विक अपील कर रहे हैं। अगर उनकी कथनी और करनी एक होती, तो वह बेबस अफगान नागरिकों की मदद की भारतीय कोशिशों में रुकावट नहीं पैदा करते।

इस्लामाबाद बैठक के भी दो पक्ष हैं। एक पहलू तो विशुद्ध राजनीतिक है। पाकिस्तान और चीन की मंशा यही है कि तालिबान की नई सरकार की नीतियां उनके अनुकूल हों। चीन के शिनजियांग प्रांत के उइगर अलगाववादी अफगानिस्तान में पनाह पाते रहे हैं। चीन चाहता है कि तालिबान सरकार में ऐसा कतई न होने पाए। पाकिस्तान की चिंताएं आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को लेकर है, जिसे तालिबान से मदद मिल सकती है।

इस बैठक का दूसरा मकसद अफगानिस्तान पर नियंत्रण हासिल करना है। पाकिस्तान को यह डर भी है कि उसके यहां कहीं अफगान शरणार्थियों की आमद न बढ़ जाए। चूंकि पश्तून पाकिस्तान में आकर दुखी हैं। ऐसे में, अगर और शरणार्थी यहां आ गए, तो पाकिस्तान के लिए सुरक्षा का मसला खड़ा हो सकता है।

लिहाजा, सवाल यह है कि दिल्ली और इस्लामाबाद की बैठकों के बाद आखिर होगा क्या? पाकिस्तान पर न दुआ का असर होता है, न दवा का। अफगान नागरिकों पर हो रहे जुल्म से भी वह पसीज नहीं रहा है। वह खुद आग का दरिया बना हुआ है और दूसरों को भी उसमें बार-बार झुलसाता रहता है। यहां हमें इतिहास से भी थोड़ा सबक लेना चाहिए। 1947 में भारत के बंटवारे के साथ अंग्रेज पाकिस्तान के रूप में हमारे लिए ऐसी नकेल छोड़ गए, जो बार-बार हमें चुभती रही है। पाकिस्तान के साथ हमारी जो समस्या है, वह अब अफगानिस्तान के साथ भी पैदा हो सकती है। बताते हैं कि अफगानिस्तान में 70-75 हजार तालिबानी काडर हैं और तीन लाख के करीब अफगान सुरक्षा बल के जवान। चूंकि अफगानिस्तान को अपनी सुरक्षा के लिए बमुश्किल 50-60 हजार सैनिकों की ही जरूरत होगी। ऐसे में, तालिबानी लड़ाके और अफगान फौजी बेरोजगार हो जाएंगे या फिर आईएसआई के खिलौने।

ईवी दौड़ में भारत की गति धीमी

- के रवींद्रन

हाल के महीनों में पेट्रोल की कमी का सामना करना पड़ा है, ने ईवी बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि देखी, जो वाहन बिक्री का 22 प्रतिशत तक पहुंच गया। 2030 में गैर-इलेक्ट्रिक, गैर-हाइब्रिड वाहनों पर प्रतिबंध लगाने के अपने कदम से पहले, सरकार ने स्थानीय वाहन निर्माताओं के लिए हर साल शून्य-उत्सर्जन वाहनों के बढ़ते प्रतिशत को बेचने की आवश्यकता की भी घोषणा की।

जबकि दुनिया इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए तेज गति से आगे बढ़ रही है, ऐसा लगता है कि भारत ने एक या दो गियर नीचे कर लिए हैं, जिसके परिणामस्वरूप देश दुनिया भर के प्रमुख ईवी बाजारों के विकास अनुमानों में भी नहीं है। यहां तक कि इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस की एक आशावादी रिपोर्ट का अनुमान है कि 2027 तक भारत में (ईवी) बाजार का आकार 63 लाख यूनिट मार्क प्रति वर्ष होगा। गौरतलब है कि इनमें से अधिकांश वाहन दोपहिया वाहन होंगे, जहां अपनाने की दर काफी बेहतर है। लेकिन समग्र भारतीय ईवी अपनाने की दर अगले दस वर्षों में वैश्विक स्तर पर अनुमानित 72 प्रतिशत और उसके अगले दशक में लगभग 100 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। ईवी कारों के लिए रोडमैप कुछ हद तक स्पष्ट हो गया जब मारुति के अध्यक्ष आरसी भार्गव ने हाल ही में संकेत दिया कि उनकी कंपनी मांग की कमी के कारण इलेक्ट्रिक वाहन दौड़ में शामिल होने की जल्दी में नहीं है। हालांकि सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों पर जोर दे रही है, लेकिन कंपनी का कहना है कि वह इस सेगमेंट में तभी प्रवेश करेगी, जब ग्राहकों के लिए वहन करने की क्षमता के साथ-साथ चार्जिंग के लिए बुनियादी ढांचे को संतोषजनक स्तर तक विकसित किया जाएगा। जबकि अन्य निर्माता, जैसे महिंद्रा, टाटा आदि संक्रमण की तैयारी कर रहे हैं, आंदोलन को अभी तक कर्षण प्राप्त करना बाकी है क्योंकि ईवी अपनाने के लिए शर्तों को पूरा करने के मामले में बहुत कुछ आवश्यक है। सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफहाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल योजना के दूसरे चरण को दो साल बढ़ाकर 31 मार्च, 2024 कर दिया है। लेकिन नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे।

वैश्विक स्तर पर, ईवी की बिक्री इस साल 7 मिलियन कारों को पार करने का अनुमान है, 2020 में 3.2 मिलियन की बिक्री की दोगुनी से भी यह अधिक है। प्रमुख ऊर्जा सलाहकार रिस्टैड एनर्जी का अनुमान है कि प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (पीएचईवी) और बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) सहित ईवी, खरीदी गई प्रत्येक 10 नई कारों में से एक के लिए जिम्मेदार होगी, जिसकी वैश्विक बाजार में हिस्सेदारी 10.3 प्रतिशत है। पिछले साल यह 5.3 प्रतिशत थी। यह बाजार हिस्सेदारी एक नया वैश्विक रिकॉर्ड होगा, पहली बार ईवी की बिक्री ने कुल वाहन बिक्री के दोहरे अंकों के हिस्से के लिए जिम्मेदार है, जो कि 2027 में लगभग 69 मिलियन होने का अनुमान है।

ईवीएस की बिक्री ने सितंबर में ऊपर की ओर बढ़ना जारी रखा, लगभग 700,000 इकाइयों की बिक्री हुई। ईवी बिक्री के मामले में शीर्ष 10 देशों का वैश्विक वॉल्यूम में 83 प्रतिशत का दबदबा है। सितंबर लगातार दूसरा महीना है, जिसमें वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की बाजार हिस्सेदारी 10 प्रतिशत को पार कर गई है। इसके साथ, 2021 की पहली तीन तिमाहियों के दौरान कुल ईवी बिक्री लगभग 4.72 मिलियन वाहनों तक पहुंच गई है।

रिस्टैड एनर्जी के ऊर्जा संक्रमण विश्लेषक अभिषेक मुरली के अनुसार, चीन में व्यापक रूप से अपनाने के कारण दुनिया भर में ईवी बिक्री वृद्धि की तीव्र दर बड़े हिस्से में है। अकेले सितंबर 2021 में चीन में 340, 000 से अधिक नए ईवी बेचे गए, जो वैश्विक बिक्री का लगभग आधा है। चीन में ईवी बाजार हिस्सेदारी सितंबर में 19.5 फीसदी तक पहुंच गई। पिछले साल, बीजिंग में अधिकारियों ने सभी वाहनों की बिक्री के 40 फीसदी ईवी शेयर को लक्षित करने वाली एक कार्य योजना की घोषणा की, 2025 तक 20 प्रतिशत के पहले घोषित लक्ष्य को दोगुना कर दिया। हालांकि चीन वैश्विक संख्या वृद्धि का नेतृत्व कर रहा है, कई अन्य देशों में उच्च ईवी अपनाने की दर देखी जा रही है। उदाहरण के लिए, नॉर्वे ने अपने 100 प्रतिशत शून्य-उत्सर्जन वाहन लक्ष्य की ओर बढ़ना जारी रखा, जिसमें ईवी बाजार हिस्सेदारी सितंबर के दौरान बेचे गए सभी वाहनों के 90 प्रतिशत को पार कर गई। इसके अलावा, जबकि टेस्ला सबसे ज्यादा बिकने वाली निर्माता कंपनी बनी हुई है, चीनी ऑटोमोटिव कंपनियां बाजार में साहसपूर्वक आगे बढ़ रही हैं। जर्मनी ने सितंबर में यूरोप में सबसे अधिक ईवी बेचे। 56,000 बिक्री दर्ज की। ईवी का भी जर्मन बाजार हिस्सेदारी में 30 प्रतिशत का योगदान है, जबकि पेट्रोल से चलने वाले वाहनों की बिक्री का प्रतिशत 38 प्रतिशत पर स्थिर रहा। फ्रांस ने यूरोप में दूसरे स्थान पर कब्जा कर लिया, करीब 29,000 ईवी बेचे गए क्योंकि देश 1 मिलियन कुल ईवी बिक्री के अपने 2022 लक्ष्य को प्राप्त करने के करीब पहुंच गया।

सुधा अरोड़ाः अकेली औरत का हँसना

अकेली औरत
ख़ुद से ख़ुद को छिपाती है।

होंठों के बीच क़ैद पड़ी हँसी को
खींचकर
जबरन हँसती है
और हँसी बीच रास्ते ही टूट
जाती है...

अकेली औरत का हँसना,
नहीं सुहाता लोगों को।

कितनी बेहया है यह औरत
सिर पर मर्द के साये के बिना भी
तपता नहीं सिर इसका...
मुँह फाड़कर हँसती
अकेली औरत
किसी को अच्छी नहीं लगती।
जो खुलकर लुटाने आए थे
हमदर्दी,
वापस सहेज लेते हैं उसे
कहीं और काम आएगी यह
धरोहर!

वह अकेली औरत
कितनी ख़ूबसूरत लगती है...
जब उसके चेहरे पर एक उजाड़
होता है
आँखें खोई-खोई-सी कुछ ढूँढ़ती
हैं,
एक वाक्य भी जो बिना हकलाए
बोल नहीं पातीं
बातें करते-करते अचानक
बात का सिरा पकड़ में नहीं
आता,
बार-बार भूल जाती है—अभी-
अभी क्या कहा था।

अकेली औरत का चेहरा कितना
भला लगता है...
जब उसके चेहरे पर ऐसा शून्य
पसरा होता है
जो आपने कहा, उस तक पहुँचा
ही नहीं।
आप उसे देखें तो लगे ही नहीं
कि साबुत खड़ी है वहाँ।
पूरी की पूरी आपके सामने खड़ी
होती है
और आधी पौनी ही दिखती है।
बाक़ी का हिस्सा कहाँ किसे ढूँढ़
रहा है,
उसे ख़ुद भी मालूम नहीं होता।
कितनी मासूम लगती है ऐसी
औरत!

हँसी तो उसके चेहरे पर
थिगली-सी चिपकी लगती है,
किसी ग़ैर ज़रूरी चीज़ की तरह
हाथ लगाते ही चेहरे से झर जाती
है...

वायु प्रदूषण पर वैज्ञानिकों का अलर्ट

दिल कमजोर कर सकता है एयर पॉल्यूशन, हाई ब्लड प्रेशर से जूझने वाले किडनी के रोगियों में खतरा ज्यादा

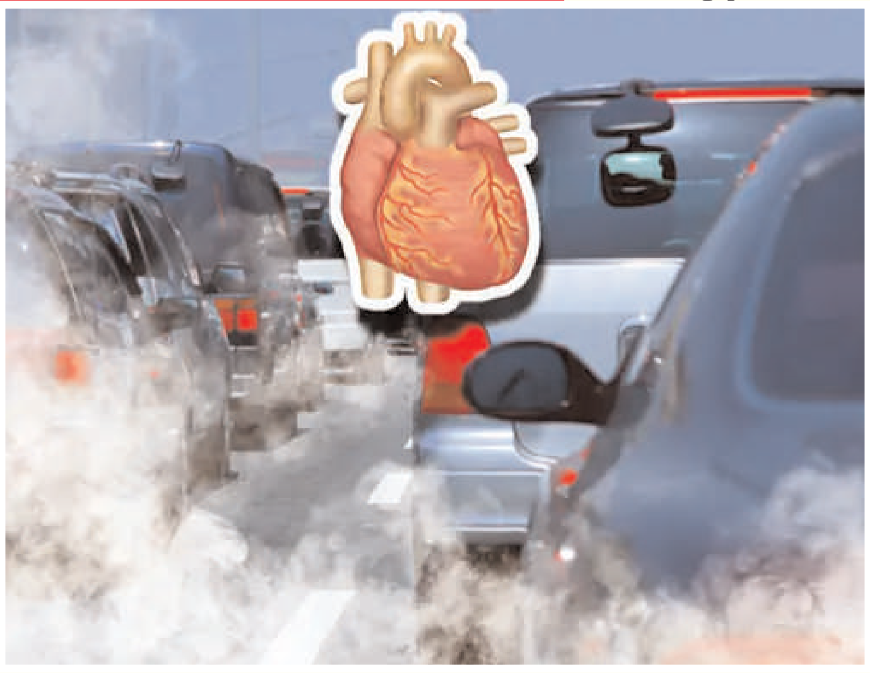

अब तक हुई कई रिसर्च में बताया जा चुका है वायु प्रदूषण से हृदय रोगों का खतरा बढ़ता है। अमेरिका में हुई हालिया रिसर्च इसके बारे में एक और जानकारी देती है। शोधकर्ताओं का कहना है, अगर कोई मरीज किडनी का रोगी है और हाई ब्लड प्रेशर से भी जूझ रहा है तो वायु प्रदूषण उसके दिल को और कमजोर कर सकता है। यह दावा गुरुवार को अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी किडनी वीक-2021 में किया गया। शोधकर्ताओं के मुताबिक, वायु प्रदूषण का सीधा सम्बंध दिल की बीमारियों से है। अगर वायु प्रदूषण से खुद बचाते हैं, हृदय रोगों का खतरा काफी हद तक कम किया जा सकता है।

वायु प्रदूषण से कैसे बढ़ता है दिल को खतरा

शोधकर्ताओं का कहना है, हाई ब्लड प्रेशर से जूझ रहे किडनी के मरीजों में ग्लेसिटीन-3 का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया। इसका सीधा कनेक्शन वायु प्रदूषण से है। इससे हृदय अंदरूनी तौर पर कमजोर हो जाता है। 1,019 मरीजों पर हुई रिसर्च में सामने आया कि ऐसे मरीजों में मायोकार्डियल फाइब्रोसिस की स्थिति बनती है। आसान भाषा में समझें तो दिल कमजोर होने लगता है। इससे हार्ट अटैक पड़ सकता है या मौत भी हो सकती है।

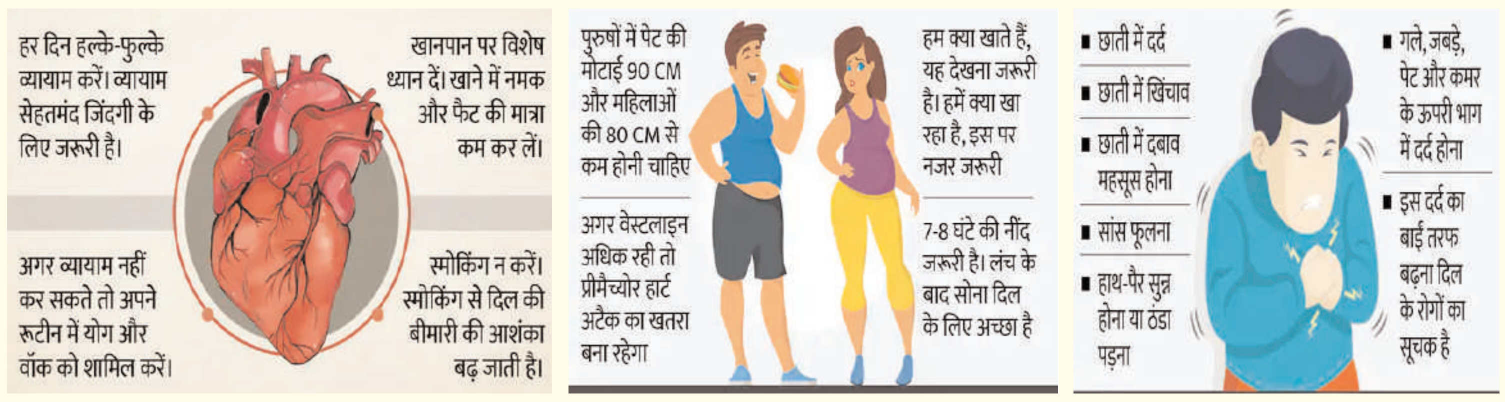

दुनिया का पहला ऐसा कपड़ा

जापानी वैज्ञानिकों ने बनाया कॉटन से भी ज्यादा ठंडा सिल्क, यह गर्मियों में 12.5 डिग्री तापमान तक घटाता है

गर्मियों में सिल्क का कपड़ा आपको कॉटन से ज्यादा ठंडा रखेगा। वैज्ञानिकों ने सिल्क का ऐसा कपड़ा तैयार किया है, यह कॉटन कपड़े की तुलना में 12.5 डिग्री सेल्सियस तक तापमान घटा देता है। इसलिए यह कपड़ा आपको गर्मियों से राहत देगा। इस कपड़े को चीन की नानजिंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं और स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शान्हुई फैन ने मिलकर तैयार किया है। शोधकर्ताओं का कहना है, इस कपड़े को इसलिए डिजाइन किया गया है ताकि गर्मियों के मौसम में बाहर जाने पर शरीर को ठंडा रख सके।

इसलिए शरीर को रखता है ठंडा

दुनियाभर में 15त्न बिजली का इस्तेमाल इंसान खुद को ठंडा रखने के लिए करता है। नए कपड़े की मदद से बिजली की डिमांड को कुछ हद तक कम किया जा सकेगा। यह बिना बिजली के शरीर को ठंडा रखने में मदद करेगा। शोधकर्ताओं का कहना है, आमतौर पर सिल्क सूर्य की किरणों को परावर्तित करता है। इस खूबी को ध्यान में रखते हुए सिल्क में बदलाव करके ऐसा कपड़ा बनाया जो सूर्य की किरणों को 95 फीसदी तक परावर्तित (रेफ्लेक्ट) कर सके। रिसर्च के मुताबिक, कपड़ा जितना ज्यादा सूर्य की किरणों को परावर्तित करेगा और कम से कम इसे अवशोषित करेगा यह शरीर को उतना धूप के असर से बचाएगा व ठंडा रखेगा।

पहला ऐसा कपड़ा जो हवा से भी ठंडा

जब धूप में इस कपड़े की टेस्टिंग की गई तो पाया गया कि यह आसपास मौजूद हवा से भी 3.5 फीसदी तक ठंडा है। शोधकर्ताओं का कहना है, यह दुनिया का पहला ऐसा कपड़ा है जो हवा से भी ठंडा है। रिसर्च रिपोर्ट कहती है, इस कपड़े में एल्यूमिनियम ऑक्साइड के नैनोपार्टिकल्स मिलाए गए हैं। इसलिए ये इंफ्रारेड, विजिबल और अल्ट्रावॉयलेट किरणों को परावर्तित करके शरीर से दूर रखता है।

ऐसे समझें फर्क

इस खास तरह के सिल्क को ऐसे समझा जा सकता है। अगर आप 40 डिग्री सेल्सियस वाली धूप में यह सिल्क पहनकर खड़े हैं तो यह आपको 32 डिग्री सेल्सियस तापमान महसूस कराएगा। वहीं, कॉटन की तुलना में यह 12.5 डिग्री सेल्सियस कम तापमान महसूस कराता है। ट्रायल में यह साबित भी हुआ है।

दिल की बीमारी रोकने का आसान तरीका

हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा घटाना है तो रात में 10 से 11 बजे के बीच में सो जाइए, रिसर्च में दावा

हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा घटाना है तो रात में 10 से 11 बजे के बीच सो जाइए। वैज्ञानिक इस समय को 'गोल्डन आवर' कहते हैं, उनका मानना है इंसान के सोने का समय और दिल की बीमारियों के बीच एक कनेक्शन पाया गया है। खासकर महिलाओं में जो देर से सोती हैं। यह दावा इंग्लैंड की एक्सेटर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने अपनी हालिया रिसर्च में किया है। शोधकर्ताओं का कहना है, अगर आप आधी रात में या काफी देर से सोने के लिए जाते हैं तो हार्ट डैमेज हो सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है, इंसान की नींद और दिल की बीमारी के बीच एक कनेक्शन है। जो लोग देरी से सोते हैं वो सुबह देरी से उठते हैं, उनकी बॉडी क्लॉक डिस्टर्ब हो जाती है। हार्ट पर बुरा असर पड़ता है। इस तरह रात में जल्दी सोकर दिल की बीमारियों का खतरा कम कर सकते हैं।

88 हजार लोगों पर हुई रिसर्च

» शोधकर्ताओं का कहना है, हमनें 43 से 74 साल के बीच के 88 हजार ब्रिटिश वयस्कों पर रिसर्च की। रिसर्च में शामिल लोगों के हाथ में ट्रैकर पहनाया गया।

» ट्रैकर के जरिए उनके सोने और उठने की एक्टिविटी को मॉनिटर किया गया। इसके अलावा उनसे लाइफस्टाइल से जुड़े सवाल-जवाब भी किए गए।

» ऐसे लोगों में 5 साल तक हार्ट डिजीज, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हार्ट फेल्योर का मेडिकल रिकॉर्ड रखा गया और इसकी तुलना की गई।

क्या कहते हैं रिसर्च के परिणाम

रिसर्च के रिजल्ट बताते हैं कि जिन मरीजों में हर रात 10 से 11 बजे के बीच नींद लेना शुरू किया उनमें हृदय रोग के मामले सबसे कम थे। वहीं, जो लोग आधी रात के बाद सोते हैं, उनमें यह खतरा 25 फीसदी तक अधिक होता है।

बॉडीक्लॉक को बिगड़ने से रोकती है नींद

यूरोपियन हार्ट जर्नल में पब्लिश रिसर्च कहती है, हम लोगों को प्रेरित कर रहे हैं कि जल्दी सोकर दिल की बीमारियों का खतरा कम किया जा सकता है। शोधकर्ता डॉ. डेविड प्लान्स कहते हैं, 24 घंटे चलने वाली शरीर की अंदरूनी घड़ी ही हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखती है। इसे सरकेडियन रिदम कहते हैं। देर से सोने पर सरकेडियन रिदम बिगड़ती है। इसलिए इसे बेहतर करने की जरूरत है।

सर्दियों में ऐसा हो खानपान

मोटे अनाज से बनी चीजें और रंग-बिरंगी सब्जियों से तैयार सूप सर्दी में शरीर गर्म रखेगा और इम्यूनिटी बढ़ाएगा

सर्दियां शुरू हो चुकी हैं। यह मौसम खानपान के लिहाज से सबसे बेहतर माना जाता है क्योंकि हमारा शरीर अधिक कैलोनी बर्न करता है। यही वजह है कि ठंड में मोटे होने का खतरा दूसरे मौसम के मुकाबले भी कम रहता है। आयुर्वेद और नेचुरोपैथी एक्सपर्ट डॉ. किरण गुप्ता कहती हैं, सर्दियों में हम खाने की मात्रा थोड़ी बढ़ा सकते हैं और मोटा अनाज खानपान में शामिल कर सकते हैं। इस मौसम में पाचन बेहतर हो जाता है और मोटा अनाज शरीर को गर्म रखने में मदद करता है। सर्दियों में खानपान कैसा हो जो आपके शरीर को गर्म रखे, रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाए और पोषक तत्वों की कमी भी पूरी करे, आयुर्वेद और नेचुरोपैथी एक्सपर्ट डॉ. किरण गुप्ता जानिए इन सवालों के जवाब...

सर्दी की शुरुआत से खानपान में मक्का, ज्वार, बाजरा और रागी को शामिल करें। इनसे तैयार अलग-अलग तरह की डिश को खाना बेहतर विकल्प है। जैसे- दलिया, रोटी या डोसे। इनसे तैयार डिश वजन कंट्रोल करने और शरीर को गर्म रखने में मदद करती है। बशर्ते इनमें घी का प्रयोग ज्यादा न किया गया हो। एक्सपर्ट कहते हैं, इस मौसम में कई तरह की सब्जियां आसानी से उपलब्ध होती हैं।

इनका सूप बनाकर पी सकते हैं। सूप शरीर में पानी और पोषक तत्वों की कमी पूरी करते हैं। इनमें थोड़ी काली मिर्च पाउडर का प्रयोग कर सकते हैं। मिक्स वेजिटेबल के सूप में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट रोगों से लड़ने की क्षमता को भी बढ़ाते हैं।

इस मौसम में मैथी, पालक, सरसों, बथुआ जैसी हरी सब्जियां मिलती हैं। इनमें विटामिन ए, ई, के, फॉलिक एसिड, आयरन, पोटैशियम और कैल्शियम जैसे पोषक तत्व अधिक मात्रा में होते हैं। हर दो मील्स में से कम से कम एक में यानी लंच या डिनर में इन्हें किसी न किसी रूप में अवश्य लेना चाहिए। ये वजन को कंट्रोल करने के साथ-साथ कफदूर करती हैं। जो सर्दी के मौसम में अक्सर होता है। इन तीनों को एक साथ या अलग-अलग भी खाया जा सकता है। ये न केवल तासीर में गर्म हैं, बल्कि आयरन के भी अच्छे सोर्स हैं जो ठंड में हमारे लिए जरूरी है। सर्दियों की एक बड़ी समस्या त्वचा का रूखा-सूखा होना है। तिल और मूंगफली के नियमित सेवन से त्वचा चमकदार और मुलायम बनी रहती है। इन दिनों चाय या गाजर के हलवे जैसी चीजों में भी शक्कर की जगह गुड़ का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। ज्यादातर

लोग मानते हैं कि सर्दी में पसीना नहीं निकलता इसलिए पानी की कमी नहीं होती। ऐसा नहीं है। शरीर को बेहतर काम करने के लिए एक निश्चित मात्रा में पानी की जरूरत होती है। इसलिए रोजाना 8 से 10 गिलास पानी जरूर पिएं। पानी की कमी आपके पाचन क्षमता पर बुरा असर डाल सकती है।

पोलैंड-बेलारूस का प्रवासी संकट, यूरोप में दबदबे के लिए गरमाई हुई हैं सरहदें

बताया जा रहा है कि इन प्रवासियों में ज्यादातर मध्यपूर्व एशिया से हैं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
पोलैंड और बेलारूस में प्रवासी संकट सुर्खियों में है। हाड़ जमा देने वाली सर्दी में बेलारूस से रोज सैकड़ों प्रवासी पोलैंड की सीमा में प्रवेश की कोशिश में हैं। प्रवासियों में ज्यादातर मध्यपूर्व एशिया से हैं। इन प्रवासियों की घुसपैठ के पीछे मास्टरमाइंड रूसी राष्ट्रपति पुतिन हैं। समझें यूरोप में दबदबे के पीछे के सियासी दांवपेंच।

क्या है प्रवासी संकट?

पिछले काफी समय से बेलारूस प्रवासियों और शरण पाने वाले लोगों को अपनी सीमा से पोलैंड में भेजता रहा है। कुछ माह से बेलारूस की ओर से घुसपैठ बढ़ी है। अगस्त से 30 हजार लोग पोलैंड सीमा पर पकड़े गए हैं। बेलारूस इन प्रवासियों को आसान वीसा दे रहा है। पोलैंड सीमा तक प्रवासियों को फ्लाइट से भी भेज रहा है।

क्या ये ईयू से बदला?

यूरोपीय संघ (ईयू) ने बेलारूस पर कई प्रतिबंध लगाए हुए हैं। ऐसे में बेलारूस को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। बेलारूस पोलैंड में प्रवासियों का हुजूम भेजकर ईयू की प्रवासियों को लेकर नीति पर प्रहार करना चाहता है। बेलारूस पोलैंड के साथ-साथ लिथुआनिया और लैटविया में भी प्रवासियों को भेज रहा है।

पोलैंड भेजने के पीछे बेलारूस की मंशा क्या?

पोलैंड यूरोपीय संघ (ईयू) का सदस्य है, बेलारूस नहीं। बेलारूस से पोलैंड में प्रवेश इन प्रवासियों के लिए आसान होता है। ईयू के देशों में नागरिकता पाने की संभावना रहती है। पोलिश पीएम मोराविकी का कहना है प्रवासियों को ढाल बना बेलारूस हित साध रहा है।

आखिर क्या है पुतिन का राजनीतिक दांव?

बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको खुद को यूरोप का आखिरी तानाशाह कहते हैं। उन्हें रूसी राष्ट्रपति पुतिन का संरक्षण प्राप्त है। रूस भी ईयू में नहीं है। पुतिन यूरोप में दबदबे और नाटो को मुश्किलों में डालने के लिए बेलारूस को प्रवासियों को पोलैंड में भेजने में साथ देते हैं।

क्यों दे रहे हैं पश्चिमी देश पोलैंड का साथ?

यूरोप, नाटो और अमेरिका सहित अन्य पश्चिमी देशों ने पोलैंड के प्रति समर्थन जताया है, क्योंकि बेलारूस को रूस का समर्थन प्राप्त है। पश्चिमी देश रूस की महत्वाकांक्षाओं पर अंकुश लगाना चाहते हैं, इसलिए वे सभी पोलैंड का समर्थन कर रहे हैं। उनका मानना है कि ये रूस की यूरोपीय संघ को अस्थिर करने की साजिश है।

WHO की चेतावनी:कोरोना वैक्सीनेशन से दुनिया में आ सकता है सिरिंज संकट, अगले साल 200 करोड़ सिरिंज की कमी हो सकती है

जेनेवा। अगले साल तक दुनिया में करीब 200 करोड़ इंजेक्शन सिरिंज की कमी हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर में कोरोना वैक्सीनेशन की वजह से बड़े पैमाने पर सिरिंज का इस्तेमाल हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभी तक पूरी दुनिया में 725 करोड़ से ज्यादा कोरोना वैक्सीन की डोज दी जा चुकी हैं। इनमें सिंगल, डबल और बूस्टर डोज शामिल हैं। वैक्सीन की यह मात्रा आमतौर पर सालभर में लगने वाले कुल टीकों की संख्या से दोगुना ज्यादा है। हर डोज के लिए अलग सिरिंज का इस्तेमाल होता है, इसलिए सिरिंज की खपत भी हर साल से दोगुनी हो गई है।

बीमारियों से बचाने का मिशन धीमा होगा

WHO के डिविजन ऑफ एक्सेस टु मेडिसिन एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स की सीनियर एडवाइजर लिसा हेडमैन ने न्यूज एजेंसी को बताया, 'हमारी असली चिंता यह है कि अगले साल तक हमारे पास वैक्सीनेशन के लिए सिरिंज की कमी हो सकती है। इससे वैक्सीनेशन की रफ्तार धीमी हो सकती है। साथ ही इससे लोगों को कई बीमारियों से बचाने की कोशिशों पर भी गंभीर असर पड़ेगा।'

ग्लोबल पैनिक की वजह बन सकती है

WHO की रिपोर्ट में इस बात की सिफारिश की गई है कि सिरिंज के प्रोडक्शन में तेजी लाने की जरूरत है, क्योंकि इसकी कमी से जमाखोरी के हालात बन सकते हैं। वहीं सिरिंज की सप्लाई घटने से ग्लोबल लेवल पर पैनिक की स्थिति भी बन सकती है। वैक्सीन और सिरिंज के उत्पादन और खपत की जगह में दूरी पर भी इनकी सप्लाई निर्भर करेगी।

कारगर योजना पर काम करना जरूरी

लिसा हेडमैन ने कहा, 'जरूरी चीजों की कमी के संकेत वाकई परेशान करने वाले हैं। सिरिंज के मामले में यह कमी 100 से 200 करोड़ तक हो सकती है। समय रहते इससे निपटने के लिए कारगर योजना बनाई जानी चाहिए।'

फीका है चीनी टीका:कोविड डेथ पर रिसर्च में सामने आया सच, टीके के बाद मरने वाले 73प्रतिशत को लगी थी चाइनीज वैक्सीन

कुआलालंपुर। लगभग तीन करोड़ की आबादी वाले मलेशिया में 1 सितंबर-30 अक्टूबर 2021 के बीच कोरोना से 7636 मौतें हुईं। इनमें से 2159 ऐसे थे, जिन्हें दोनों डोज लगवाए 14 दिन हो चुके थे। चौंकाने वाली बात ये कि इनमें 1573 यानी 72.8त्न वे थे, जिन्होंने चीन में निर्मित सिनोवैक वैक्सीन लगवाई थी। फाइजर की दोनों डोज के बाद कोरोना से 550 मौतें (25.5त्न) व एस्ट्राजेनेका की पूरी डोज के बाद कोरोना से 36 लोगों की मौत (1.7त्न) हुई।

भारत में एस्ट्राजेनेका के फॉमूले पर बनी कोविशील्ड लग रही है। मलेशिया में जान गंवाने वाले 7636 मरीजों में से 4076 ने वैक्सीन नहीं लगवाई थी। 1401 को दूसरी डोज लगनी बाकी थी। दोनों डोज के बाद मरने वालों में 75त्न लोगों की उम्र 60 से ऊपर थी। 94त्न ऐसे थे, जिन्हें एक से ज्यादा बीमारियां थीं। मलेशिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने खुद इन आंकड़ों की पुष्टि की है। बता दें कि चीन चारों रीजन (एशिया पैसेफिक, यूरोप, लैटिक अमेरिका, अफ्रीका) के 113 देशों को कोरोना टीका दे चुका है। ICMR की स्टडी के मुताबिक टीका लगवाने के बाद कोरोना से संक्रमित होने वालों में सिर्फ 0.4प्रतिशत लोगों की मौत हुई है। 677 कोविड मरीजों की जीनोम सीक्वेंसिंग करके यह निष्कर्ष निकाला गया। वैक्सीन लगवाने के बाद भी 10 फीसदी लोगों को अस्पताल में भर्ती करने की नौबत आई। इनमें से 86 प्रतिशत मरीजों में डेल्टा वैरिएंट पाया गया।

सिनोवैक 43 देशों को 76 करोड़ डोज दे चुकी

चीन की बड़ी कोरोना वैक्सीन निर्माता कंपनियों में सिनोफार्मा और सिनोवैक शामिल हैं।

टीका बेचने में सिनोवैक आगे। 43 देशों को 76 करोड़ डोज दीं।

गुरुग्राम में दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे पर धुंध की मोटी परत के कारण कम दृश्यता के बीच वाहन दौड़ते रहे।

न्यूज ब्रीफ

ड्रैगन को भारत का कड़ा जवाब:विदेश मंत्रालय ने कहा- चीन का अवैध कब्जा न स्वीकार किया है, न करेंगे

नई दिल्ली। भारत ने चीन पर कड़ा निशाना साधा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को कहा है कि भारत ने चीन के अवैध कब्जों को कभी स्वीकार नहीं किया है और आगे भी नहीं करेगा। यह बात उन्होंने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का कुछ हिस्से पर चीन की मौजूदगी को लेकर कही।उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश सहित सीमा से सटे इलाकों में इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत किए जा रहे हैं। बॉर्डर से सटे इलाकों में सड़क और पुलों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार देश की सीमा पर होने वाली एक्टिविटी का राजनयिक माध्यमों के जरिए विरोध करती आई है।

अफगानिस्तान के मुद्दे पर विदेश मंत्रालय का रुख: अफगानिस्तान के मसले पर होने वाली सभी बैठकों में भारत शामिल होता आया है। इस मुद्दे पर दिल्ली में हुई राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में पाकिस्तान नहीं आया है। इससे पता चलता है कि वे अफगानिस्तान के मसले को लेकर कितने चिंतित हैं। रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया था कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा मजबूत करने के लिए तिब्बत ऑटोनोमस रीजन और ऋ्र के बीच विवादित जगह पर अपना एक गांव बसा दिया है। इस गांव में 100 घर बनाकर नागरिक बसाए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने यह गांव साल 2020 में दोनों देशों के बीच पूर्वी लद्दाख में गतिरोध शुरू होने के बाद बसाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस गांव को बसाने के अलावा भी चीन ने बहुत सारे पक्के इंफ्रास्ट्रक्चर LAC से सटे इलाकों में बनाए हैं। इस दौरान चीन की तरफ से सीमा पर यथास्थिति बनाए रखने के लिए लगातार बातचीत भी जारी रखी गई है। पेंटागन की रिपोर्ट सामने आने के बाद भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान ने कहा था कि अरुणाचल के ऊपरी सुबनसिरी जिले में विवादित सीमा पर जहां गाव के निर्माण की बात कही जा रही है, उस पर 1959 से ही चीन का कब्जा है। इस बारे में कुछ नहीं किया जा सकता है।

लोजपा नेता चिराग पासवान गोपालगंज में पीड़ित परिवार के सदस्यों से मिले, जिनके रिश्तेदार की जहरीली शराब पीने से मौत हो गई थी।

T20 वर्ल्डकप में पाकिस्तान की हार:इमरान खान पर पूर्व-पत्नी ने कसा तंज, कहा- आपको फाइनल देखने की जिद नहीं करनी थी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद
T20 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में पाकिस्तान टीम को ऑस्ट्रेलिया ने करारी शिकस्त दी। गुरुवार को खेले गए इस मैच ने पाकिस्तान की जीत के सिलसिले पर रोक लगाई और उसका फाइनल का सपना तोड़ दिया। इसके बाद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक ट्वीट किया। उन्होंने अपनी टीम को निराश न होने को कहा और ऑस्ट्रेलिया को जीत की बधाई भी दी। इमरान खान ने ट्वीट किया, 'बाबर आजम और उनकी टीम के लिए... मैं जानता हूं कि आप सभी इस वक्त कैसा महसूस कर रहे होंगे क्योंकि क्रिकेट फील्ड पर इस तरह की निराशाओं का सामना मैंने भी किया है। लेकिन आपने जिस तरह का क्रिकेट खेला है और जो अपनी जीत में जो विनम्रता दिखाई है, उसपर आपको गर्व होना चाहिए। टीम ऑस्ट्रेलिया को बधाई।

रेहम खान ने कसा तंज: इमरान के इस ट्वीट पर उनकी एक्स वाइफ रेहम खान ने ट्वीट किया है। रेहम ने लिखा- खान साहब आपसे कहा था कि फाइनल देखने की जिद मत कीजिए। दरअसल इमरान खान ने कहा था कि अगर पाकिस्तान फाइनल में

चीन और पाकिस्तान की गुटबंदी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान मुद्दे पर चीन और पाकिस्तान की दोहरी नीति सामने आई है। भारत में एक दिन पहले अफगानिस्तान को लेकर हुए स्तर की मीटिंग में दोनों देशों ने शामिल होने सो मना कर दिया। ठीक एक दिन बाद गुरुवार को दोनों देशों ने उसी मुद्दे पर अमेरिका और रूस के साथ इस्लामाबाद में मीटिंग की। इस्लामाबाद में ट्रोइका प्लस की बैठक को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि शांति और स्थिरता को मजबूत करने में मदद के लिए तालिबान की इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान सरकार के साथ बातचीत जारी रहनी चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अफगानिस्तान को तत्काल मानवीय मदद उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। साथ ही तालिबान की खुलकर तरफदारी की।

जेल में शादी करेंगे जूलियन असांजे: मंगेतर स्टेला मॉरिस से कर रहे शादी, 2 साल से लंदन की जेल में हैं विकीलीक्स के फाउंडर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लंदन
विकीलीक्स के फाउंडर जूलियन असांजे बेलमार्श जेल में बंद हैं। उन्हें बाहर निकालने के प्रयास चल रहे हैं, लेकिन इसमें कामयाबी नहीं मिल रही है। हालांकि, अब उन्हें एक खुशी मिलने वाली है। उन्हें जेल में अपनी मंगेतर स्टेला मॉरिस से शादी करने की इजाजत मिल गई है।

2019 से लंदन जेल में हैं असांजे

असांजे 2019 से लंदन की जेल में कैद हैं। अमेरिकी कानून विभाग ने उन्हें अमेरिका प्रत्यर्पित करने से इनकार कर दिया था, क्योंकि वहां उनके मानसिक स्वास्थ्य को खतरा है और उनके आत्महत्या करने की संभावना भी है। असांजे ने 2010-11 में हजारों क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट को पब्लिक कर दिया था।

7 साल इक्वाडोर की शरण में रहे

उन्होंने 2012 में इक्वाडोर से शरण मांगी थी, जिसके बाद लंदन में इक्वाडोर ऐम्बेसी में उन्हें राजनीतिक संरक्षण प्रदान किया गया। वे यहां 2012 से 2019 के बीच रहे। 11 अप्रैल 2019 को वे कोर्ट में पेश होने से चूक गए थे, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

असांजे के खिलाफ जासूसी के कुल 18 केस

उनकी गिरफ्तारी के बाद अमेरिका की तरफ से उन्हें प्रत्यर्पित करने के लिए कोर्ट में दाखिल की गई अर्जी को सार्वजनिक किया गया। 23 मई 2019 को अमेरिका की ग्रैंड ज्यूरी ने असांजे के खिलाफ जासूसी के 17 केस दर्ज किए। इसके साथ ही असांजे के खिलाफ अमेरिका में 18 केस हो गए, जिनकी कुल सजा 175 साल तक हो सकती है। इसी के चलते असांजे अमेरिका प्रत्यर्पण के लिए राजी नहीं हैं।

असांजे स्टेला मॉरिसन से तब मिले जब वे इक्वाडोरियन ऐम्बेसी में रह रहे थे। दोनों के दो बच्चे हैं। मैरिज एक्ट, 1983 के मुताबिक, कैदियों को जेल में विवाह करने की अनुमति दी जाती है। जेल के एक प्रवक्ता ने बताया कि असांजे के आवेदन का पढ़ा गया और गवर्नर ने उसे वैसे ही आगे बढ़ाया गया जैसे किसी भी अन्य कैदी के आवेदन के साथ होता है।

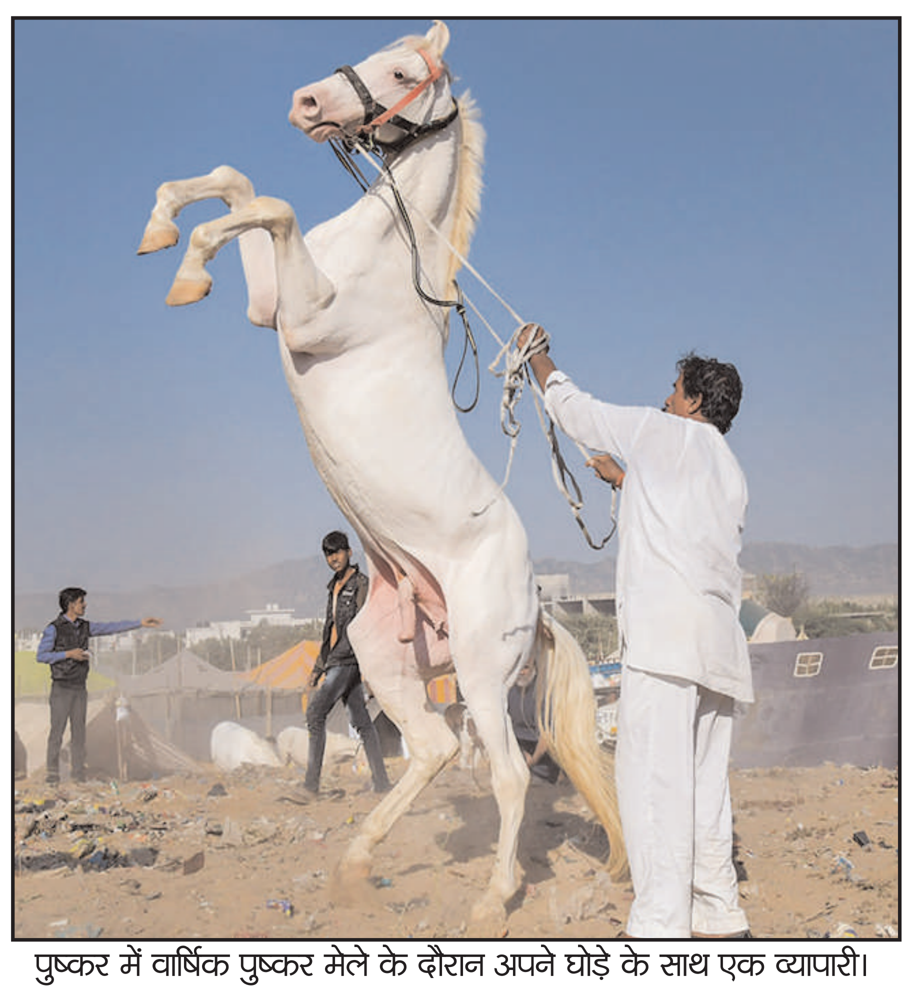

पुष्कर में वार्षिक पुष्कर मेले के दौरान अपने घोड़े के साथ एक व्यापारी।

न्यूज ब्रीफ

मेरा पूरा ध्यान खेल पर, 'बायोपिक' के लिए इंतजार हो सकता है : नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली। ओलिम्पिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा का कहना है कि वह अपने जीवन को पर्दे पर उतारे जाने से पहले कुछ और पदक जीतना चाहते हैं क्योंकि इससे उनकी फिल्म का हिट होना निश्चित हो जाएगा। जब से हरियाणा के भाला फेंक एथलीट ने ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धा में देश को पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाया है, तब से उनके जीवन पर फिल्म बनाये जाने को लेकर बातें चल रही हैं और उनसे पूछा जा रहा है कि स्क्रीन पर उनका किरदार कौन अच्छी तरह निभा सकता है लेकिन चोपड़ा का कहना है कि उनकी प्राथमिकता अब भी खेल ही है। चोपड़ा ने कहा कि मुझे फिल्म के लिए पेशकश की जा चुकी है लेकिन मुझे लगता है कि जो मैंने हासिल किया है, वह अभी महज शुरूआत ही है। यह मेरा पहला ओलिम्पिक था। मैं और पदक जीतना चाहता हूं। मैं नहीं चाहता कि मूवी फ्लॉप हो जाए। उन्होंने कहा कि अगर मैं और पदक जीत सकता हूं तो मुझे लगता है कि फिर फिल्म हिट होगी। इस समय मेरा पूरा ध्यान खेलों पर है, मैंने बॉलीवुड के बारे में नहीं सोचा है। पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान और ऐतिहासिक ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने भी खुलासा किया कि उन्हें भी उनके जीवन पर आधारित फिल्म की पेशकश हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हां, मुझे भी 'बायोपिक' के लिए पेशकश हुई थी और बातचीत चल रही है।

भारत करेगा आई.सी.सी.क्रिकेट विश्व कप 2031 की मेजबानी

नई दिल्ली। 2031 में होने वाला क्रिकेट विश्व कप भारत में हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक टी-20 विश्व कप 2024 यूएस और विंडीज में होने की संभावना है। ऐसे में 2031 एडिशन के लिए बीसीसीआई का दावा सबसे ज्यादा मजबूत है। बता दें कि भारत पहले ही 2023 में होने वाले विश्व कप की मेजबानी हासिल कर चुका है। आई.सी.सी. क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए यूएस का रुख कर रहा है। 2024 का विश्व कप 20 टीमों का होगा। इस दौरान 55 मैच खेले जाएंगे। अमरीका पहले ही अपनी क्रिकेट की टीम बना चुका है। ऐसे में अमरीका में विश्व कप होने से क्रिकेट के तेजी से बढने के आसार हो जाएंगे। आई.सी.सी. ने 2024 से लेकर 2031 तक होने वाले टूर्नामैंट्स का कैलेंडर अपडेट किया है। नया साइकिल 2024 विश्व कप से शुरू हो जाएगा। इसके अलावा 2027 और 2031 के विश्व कप में 14 टीमें देखने को मिल सकती हैं। अगर बीसीसीआई को विश्व कप करवाने की अनुमति मिली तो यह पांचवां मौका होगा जब भारत में आई.सी.सी. का यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट करवाया जाएगा। भारत में पहली बार 1987 में विश्व कप करवाया गया था जिसमें ऑस्ट्रेलिया की टीम जीती थी। 1996 में भारत ने पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ मिलकर विश्व कप का आयोजन किया था। फिर 2021 में सिर्फ भारत में विश्व कप हुआ। टी-20 विश्व कप 2021 भी भारत में ही होना था लेकिन कोरोना के मामलों के चलते इसे यूएई में शिफ्ट कर दिया गया था।

पाकिस्तान आखिर क्यों हारा : टीम सिलेक्शन खराब, फील्डिंग भी बेकार और गेंदबाजों ने तो लुटिया ही डुबो दी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया। लगातार 5 मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंची बाबर की सेना सिर्फ एक मैच हारी और टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई। टॉस हार कर पहले खेलते हुए पाकिस्तान ने 4 विकेट के नुकसान पर 176 रनों का अच्छा स्कोर खड़ा किया। मोहम्मद रिजवान (67) और फखर जमां (55)* ने शानदार अर्धशतक जड़ा। 177 रनों के टारगेट को ऑस्ट्रेलिया ने बड़े ही रोमांचक अंदाज में एक ओवर पहले ही 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। मैच में पाकिस्तान की हार की क्या वजहें रहीं आईए आपको बताते हैं।

खराब फील्डिंग

पाकिस्तान की हार का सबसे बड़ा कारण उनकी खराब फील्डिंग रही। फील्डर्स ने मैच में कई रनआउट के मौके छोड़े। ये मौके किसी और के नहीं बल्कि वॉर्नर और वेड के थे। वो भी एक बार नहीं कई बार। इन्हीं दोनों खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के हाथ से मैच छीन लिया। डेविड वार्नर ने (49) और वेड ने तो 17 गेंदों पर नाबाद 41 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। 19वें ओवर में शाहीन शाह आफरीदी की तीसरी गेंद पर हसन अली ने वेड का जो आसान कैच छोड़ा ये सबसे बड़ी गलती साबित हुई और अगली तीन गेंदों में लगातार तीन छक्के जड़कर मैथ्यू वेड ने मैच ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में कर दिया।

पाकिस्तान		ऑस्ट्रेलिया	
टीम स्कोर 176/4	ओवर (20)	टीम स्कोर 177/5	ओवर (19)
बैटर	बॉलर	बैटर	बॉलर
मो. रिजवान	मिचेल स्टार्क	डैविड वार्नर	शादाब खान
67 (52)	2/38	49 (30)	4/26

शादाब खान अकेले लड़ते रहे

ऑस्ट्रेलिया जब लक्ष्य का पीछा करने आई तो केवल शादाब खान ने अकेले अच्छी गेंदबाजी की। वहीं, तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने शुरू में तो कमाल दिखाया, लेकिन आखिरी ओवरों में वेड ने उनको तीन छक्के जड़ दिए। मैच में शादाब खान के खाते में 4 विकेट आए।

वहीं, दूसरे स्पिनर इमाद वसीम की तो ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाजों ने जमकर धुलाई कर दी। वसीम ने 3 ओवर में 25 रन दिए और उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। इस वर्ल्ड कप कमाल की गेंदबाजी करने वाले हारिस रऊफ भी मैच में फ्लॉप रहे। उन्होंने 3 ओवर में 32 रन दिए। वहीं, हसन अली को 4 ओवर में 44 रन पड़े। सभी गेंदबाजों की कुटाई देखकर बाबर आजम ने मोहम्मद हफीज को गेंदबाजी दी, लेकिन ये ओवर भी महंगा साबित हुआ। हफीज ने एक ओवर में 13 रन दे दिए।

बड़े मैच में कोई बदलाव नहीं

पाकिस्तान ने लीग मुकाबले में कमाल का खेल दिखाया था। सेमीफाइनल में भी वो इसी टीम के साथ उतरे। टीम में कई खिलाड़ी खराब फॉर्म में थे, लेकिन पाकिस्तान ने उन्हें इस बड़े मैच में भी मौका दिया। हसन अली टी-20 वर्ल्ड कप में पूरी तरह से फ्लॉप साबित हुए, लेकिन फिर भी बाबर ने उन्हें मैच में मौका दिया। वहीं, टीम के पास शाहनवाज दहानी जैसे शानदार तेज गेंदबाज थे, लेकिन वो पूरे टूर्नामेंट के दौरान दर्शक बने रहे। इमाद वसीम को शुरू के मैचों में विकेट नहीं मिले थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्हें बल्लेबाजी का मौका मिला, लेकिन वो कुछ खास नहीं कर पाए थे। उनकी जगह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहम्मद वसीम को मौका दिया जा सकता था। हसन और इमाद ने मैच में बहुत ही खराब प्रदर्शन किया और टीम में बदलाव न करने का फैसला पाकिस्तान को बहुत भारी पड़ा।

पहले टेस्ट के लिए 16-सदस्यीय टीम घोषित

रहाणे को कप्तानी, कोहली-रोहित समेत बुमराह और ऋषभ को आराम

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम

बल्लेबाज: अजिंक्य रहाणे, के एल राहुल, मयंक अग्रवाल, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, रिद्धिमान साहा, के एस भरत

ऑलराउंडर: रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, जयंत यादव

गेंदबाज: इशांत शर्मा, उमेश यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

हनुमा विहारी की छुट्टी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

17 नवंबर से भारत और न्यूजीलैंड के बीच घरेलू सरजमीं पर तीन टी-20 और दो टेस्ट मैचों की सीरीज का आगाज होने जा रहा है। पहले टेस्ट मैच के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है। रोहित शर्मा और विराट कोहली टीम का हिस्सा नहीं हैं। अजिंक्य रहाणे टीम की कमान संभालेंगे। वहीं, चेतेश्वर पुजारा को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। विराट कोहली दूसरे टेस्ट मैच में टीम के साथ जुड़ जाएंगे और कप्तानी संभालेंगे।

टीम इस प्रकार है

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), चेतेश्वर पुजारा, के एल राहुल, मयंक अग्रवाल, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, रिद्धिमान साहा, के एस भरत, रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, अक्षर पटेल, जयंत यादव, इशांत शर्मा, उमेश यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

हनुमा विहारी टीम से बाहर

हनुमा विहारी को टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया है। उन्होंने आखिरी भारत के लिए आखिरी टेस्ट जनवरी 2021 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेला था। तब सिडनी में हैमस्ट्रिंग की चोट के बाद भी उन्होंने बैटिंग जारी रखी थी। हनुमा ने 161 गेंदों का सामना किया था और 23 रन बनाए थे। उन्होंने अश्विन के साथ मिलकर टीम इंडिया के लिए मैच बचाया था। विहारी ने अभी तक 12 टेस्ट खेले हैं और इनमें 32.84 की औसत से 624 रन बनाए हैं। उनके नाम एक शतक और चार अर्धशतक हैं। विहारी को इंग्लैंड दौरे पर भी एक भी मैच में मौका नहीं दिया गया था। वहीं, पहले टेस्ट में श्रेयस अय्यर भी टीम का हिस्सा हैं। जयंत यादव को भी टीम में चुना गया है। बता दें, राहुल द्रविड़ इस सीरीज से टीम इंडिया के कोच का पद संभालेंगे।

हफीज की गलती पर वॉर्नर का तगड़ा पंच

दो टप्पे में आई गेंद तो वॉर्नर ने पिच के बाहर तक घसीटकर मारा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज दुबई

टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई बैटर डेविड वॉर्नर ने लगभग पिच के बाहर तक दौड़ाते हुए एक गेंद को मारा। इस तरह से अपनी गेंद को मारते हुए देख पाकिस्तानी स्पिनर मोहम्मद हफीज का मुंह बन गया। हुआ कुछ यूं कि 8वें ओवर में पाकिस्तानी कप्तान ने मोहम्मद हफीज को बॉलिंग के लिए बुलाया। दूसरे बॉलर्स को डेविड वॉर्नर शानदार ढंग से खेल रहे थे और लगभग हर ओवर में एक बाउंड्री लगा रहे थे। जिस गेंद पर बाउंड्री नहीं आ रही थी, उस पर भागकर एक रन लेते थे। जब मोहम्मद हफीज बॉलिंग को आए तो उनकी पहली ही गेंद उनके हाथ से फिसल गई। इसके चलते गेंद दो टप्पे खाकर भी वॉर्नर तक नहीं पहुंच रही थी और गेंद लगभग पिच से बाहर भी जा रही थी, लेकिन डेविड वॉर्नर ने आव देखा न ताव दौड़कर गेंद को एक करारा छक्का जड़ दिया। एक तो गेंद हाथ से छूटी, फिर बैटर ने छक्का भी जड़ दिया। उस पर जले पर नमक ये कि अंपायर ने उसे नो बॉल दे दिया। ये नियम भी यहां साफ हुआ कि अगर पिच पर गेंद दो टप्पे खाती है तो उसे नो बॉल माना जाता है। इस दौरान हफीज एक बार अंपायर के पास आए और उन्होंने पूछा कि उनकी उस बॉल को नो बॉल क्यों दिया गया।

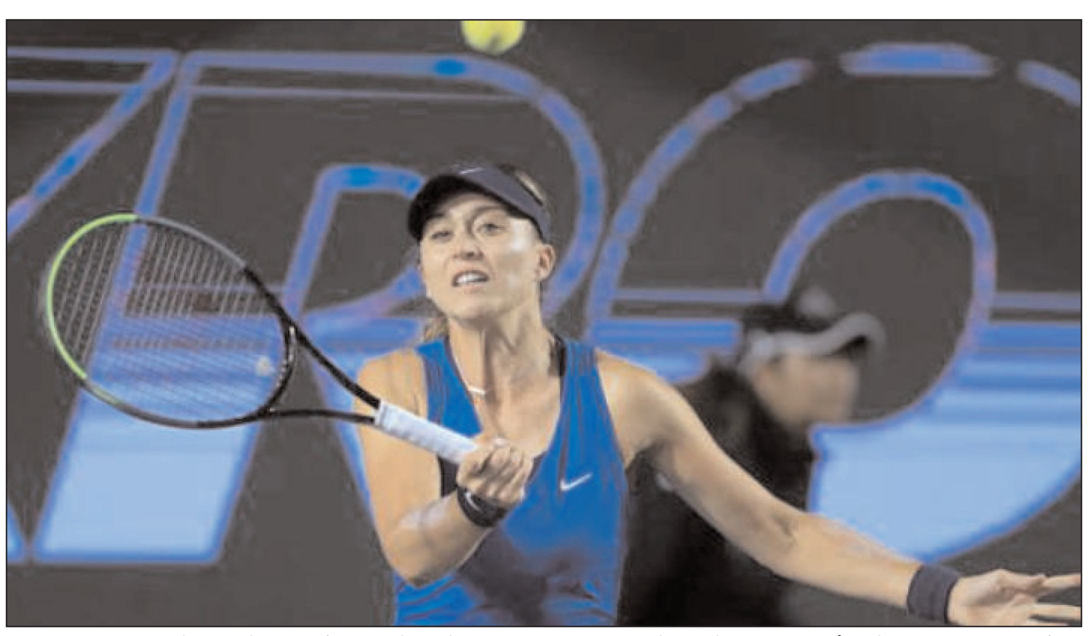

गुआडालाजारा (मेक्सिको)। पौला बाडोसा ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपने शुरूआती मैच में धीमी शुरूआत के बाद लगातार 10 गेम जीतकर शीर्ष वरीय टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को 6-4, 6-0 से हराकर उलटफेर किया। दुनिया की दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी सबालेंका मैच के शुरू में दबदबा बनाने के बाद 4-2 से बढ़त बनाए थीं। लेकिन इस सत्र में अबुधाबी और मैड्रिड में खिताब जीतने वाली सबालेंका को हार का सामना करना पड़ा।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS

जयपुर में क्वारैंटाइन हुए युजवेंद्र चहल

सोशल मीडिया पर फोटो शेयर की तो फैंस ने पूछा- भाभी कहां है; ऋतुराज गायकवाड़ भी आए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

17 नवंबर को राजधानी जयपुर में होने वाले टी-20 मैच की तैयारियां तेज हो गई हैं। गुरुवार को भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी युजवेंद्र चहल और ऋतुराज गायकवाड़ जयपुर पहुंच चुके हैं। इस दौरान चहल ने सोशल मीडिया पर खुद के क्वारैंटाइन होने की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने बताया है कि उनके क्वारैंटाइन होने का आज पहला दिन है। चहल अब तक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा की ओर से वडोदरा में खेल रहे थे। ऐसे में चहल को बायो बबल में एंट्री से पहले तीन दिन क्वारैंटाइन रहना होगा। चहल की इस फोटो पर फैंस ने अपनी अलग-अलग प्रतिक्रिया दी। एक फैन ने लिखा, %भाभी कहा हैं ?% भारतीय टीम के स्पिनर चहल की पत्नी धनश्री वर्मा भी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। धनश्री अपनी डांस वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। फैंस खूब पसंद करते हैं। इससे पहले उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में जयपुर रवाना होने से पहले की भी तस्वीर पोस्ट की थी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 मैचों की टी-20 सीरीज की शुरुआत 17 नवंबर से होगी। सीरीज का पहला टी-20 मैच जयपपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने चुने गए सभी 16 खिलाड़ियों को 13 नवंबर तक जयपुर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। वहीं न्यूजीलैंड टीम के खिलाडी टी-20 वर्ल्ड कप के बाद जयपुर पहुंचेंगे।

न्यूज ब्रीफ

ज़ी एंटरटेनमेंट को सितंबर तिमाही में 266.08 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। ज़ी एंटरटेनमेंट इंटरप्राइजेज लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बढ़कर 266.08 करोड़ रुपये हो गया। ज़ी एंटरटेनमेंट ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के दौरान उसका शुद्ध लाभ 93.41 करोड़ रुपये था। कंपनी की जुलाई-सितंबर, 2021 तिमाही में कुल आय बढ़कर 2,010.47 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की इसी तिमाही के दौरान 1,760.61 करोड़ रुपये थी। कंपनी की जुलाई-सितंबर, 2021 तिमाही में विज्ञापन से आय बढ़कर 1,089.29 करोड़ रुपये हो गई। यह एक साल पहले की इसी अवधि में 902.79 करोड़ रुपये थी। ज़ी एंटरटेनमेंट ने एक बयान में कहा कि कोविड-19 से प्रभावित आर्थिक गतिविधियों के कारण आलोच्य तिमाही के परिणाम की अन्य तिमाहियों के नतीजों से तुलना नहीं की जायेगी।

व्यक्तिगत सुनवाई से नहीं किया जा सकता है इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि अगर करदाता फेसलेस आकलन योजना के तहत अतिरिक्त मांग किए जाने के आदेश के पहले व्यक्तिगत सुनवाई की मांग करते हैं तो कर अधिकारियों को इसकी अनुमति देनी होगी। उमकल हेल्थकेयर लिमिटेड बनाम नैशनल फेसलेस असेसमेंट सेंटर से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने कर अधिकारियों की डिमांड नोटिस को खारिज कर दिया।

500 रुपए से निवेश का अवसर : आदित्य बिड़ला सनलाइफ म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया बिजनेस साइकल एनएफओ

15 नवंबर से खुलेगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आदित्य बिड़ला सनलाइफ म्युचुअल फंड का बिजनेस साइकल फंड 15 नवंबर को खुलेगा। यह नया फंड ऑफर (एनएफओ) 29 नवंबर को बंद होगा। यह ओपन एंडेड इक्विटी स्कीम है जो बिजनेस साइकल आधारित निवेश की थीम का पालन करेगी। **रिटर्न अलग-अलग चक्र से प्रभावित होते हैं:-** शेयर बाजार में रिटर्न आम तौर पर अलग-अलग बिजनेस चक्र के चरणों से प्रभावित होते हैं। किसी भी बिजनेस चक्र में चार अलग-अलग चरण हो सकते हैं। इसमें- ग्रोथ, मंदी, गिरावट और रिकवरी। सभी चरण अलग होते हैं लेकिन प्रमुख चरणों की पहचान और उन्हें निवेश के नजरिये से विश्लेषित किया जाए तो सकारात्मक निवेश अनुभव हासिल करने में मदद मिल सकती है। कोई मौजूदा बिजनेस चक्र कितने दिनों तक चलेगा या फिर कितनी जल्दी खत्म हो जाएगा यह मैक्रो इकोनॉमिक हालातों पर निर्भर करेगा।

अलग-अलग तरीके से काम करता है बिजनेस साइकल

बिजनेस साइकल फंड अलग-अलग तरीके से काम करता है। यह मैक्रो (अर्थव्यवस्था के) हालातों पर फोकस करता है। इससे निवेशकों की पहुंच किसी भी समय उन सेक्टर्स तक होती है जो आकर्षक दिख रहे हैं। इस रणनीति से उन सेक्टर्स में डाइवर्सिफिकेशन का लक्ष्य भी हासिल करने में मदद मिलती है। हर इंडस्ट्री का डायनॉमिक्स जैसे निवेश, निवेश पर रिटर्न, मार्जिंस और कंपटीशन अलग-अलग तरीके से बिजनेस साइकल के दौरान होता है। इसलिए इंडस्ट्री विशेष साइकल आने वाले इकोनॉमिक साइकल से अलग भी हो सकता है। इस आधार पर सही समय पर सही निवेश सभी सेक्टर्स में जरूरी होता है।

अर्थव्यवस्था विस्तार और गिरावट के चरण से गुजरती है

आदित्य बिड़ला सनलाइफ के स्ख्र ए. बालासुब्रमणियन ने कहा कि अर्थव्यवस्था समय-समय पर विस्तार और गिरावट के चरणों से गुजरती है। रिसर्च से पता चलता है कि सेक्टर्स बिजनेस साइकल चरण के जरिए सिस्टेमैटिक प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं। रक्षात्मक साइकल जैसे एफएमसीजी, हेल्थकेयर और आईटी बेहतर रिटर्न गिरावट वाले चरण में देते हैं। गैर रक्षात्मक सेक्टर्स जैसे मेटल्स, फाइनेंशियल और सीमेंट विस्तार वाले चरण में बेहतर प्रदर्शन करते हैं। आदित्य बिड़ला सनलाइफ बिजनेस साइकल फंड सक्रिय रूप से निवेश के अवसर की पहचान करेगा द्ब बिजनेस साइकल के मुताबिक अलोकेशन करेगा और रिटर्न पैदा करेगा।

निवेशक पहचान नहीं कर पाते हैं

आप्टिमा मनी मैनेजर्स के फाउंडर और सीईओ पंकज मठपाल कहते हैं कि निवेशकों के लिए यह मुश्किल होता है मार्केट के साइकल में कौन से सेक्टर में कब और कैसे निवेश करें या निवेश को निकालें। ऐसे में ऐसा एक बिजनेस साइकल फंड जो काफी बारीकी से अर्थव्यवस्था और सेक्टर के साइकल पर विचार कर निवेश करेगी, निवेशकों के लिए एक आसान तरीका हो सकता है कि वो इस फंड से मार्केट के तमाम पहलुओं का फायदा उठाएं।

बिजनेस साइकल स्कीम निवेश का अवसर देती है

निवेशक इकोनॉमिक साइकल और सेक्टरल साइकल की पहचान नहीं कर पाते हैं। मार्केट साइकल में कौन से सेक्टर में कब और कैसे निवेश करना है या निकालना है, यह भी समझना निवेशकों के लिए एक मुश्किल काम होता है। ऐसे में आदित्य बिड़ला की बिजनेस साइकल स्कीम निवेशकों को निवेश का अवसर प्रदान करती है। इसमें कम से कम 500 रुपए का निवेश कर सकते हैं।

मॉल नहीं बड़े बाजारों में खुल रहे शोरूम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

नए मॉल बनने की रफ्तार धीमी पडने, अच्छे मॉल की कमी और महामारी के कारण इन्हें सबसे पहले बंद करने के लिए बाध्य किए जाने के कारण खुदरा विक्रेता बड़े बाजारों में अपने शोरूम खोलने को प्राथमिकता दे रहे हैं। बड़े बाजारों में दुकानें खोलने वाले खुदरा विक्रेताओं की तादाद बढ़ रही है क्योंकि मांग में सुधार से उनकी विस्तार योजनाओं की रफ्तार बढ़ी है। जेएलएलइंडिया के प्रबंध निदेशक (खुदरा सेवाएं) शुभ्रांशु पाणि ने कहा, %खुदरा विक्रेताओं की आक्रामक विस्तार योजनाएं हैं, लेकिन मॉल बनने की रफ्तार सुस्त पड़ गई है क्योंकि कम धन के कारण उनका निर्माण थम गया है और खुदरा विक्रेता विस्तार के लिए बड़े बाजारों में जा रहे हैं, इसलिए मॉल को पर्याप्त खुदरा विक्रेता नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर के दौरान मॉल को सबसे पहले बंद कराया गया और उन्हें काफी बाद में खोलने की मंजूरी दी गई, इसलिए खुदरा विक्रेता विस्तार के लिए बड़े बाजारों का रुख कर रहे हैं। पाणि ने कहा कि बड़े खुदरा विक्रेता अपने 50 फीसदी शोरूम बड़े बाजारों में खोल रहे हैं। यह आंकड़ा पहले 25 फीसदी ही था। छोटे ब्रांड भी ऐसा ही कर रहे हैं। छोटे ब्रांड अपने 50 फीसदी नए शोरूम मॉल में और शेष बड़े बाजारों में खोल रहे हैं। इससे पहले छोटे ब्रांड केवल 10 फीसदी शोरूम ही मॉल के बाहर खोलते थे। पेपे जीन्स इंडिया के सीईओ मनीष कपूर ने कहा कि ब्रांड का विस्तार कोविड से पहले सालाना 40 से 50 नए शोरूम के आंकड़े को हासिल करने के लिए पटरी पर है। इसने महामारी के दौरान मॉल के बजाय बड़े बाजारों में ज्यादा शोरूम खोलने पर ध्यान दिया है। कपूर ने कहा, %इस समय हमारे 65 फीसदी शोरूम मॉल में और शेष बड़े बाजारों में हैं। हम मॉल में शोरूम खोलना जारी रखेंगे, बशर्ते कि अच्छे मॉल उपलब्ध हों अन्यथा हम बड़े बाजारों में शोरूम खोलेंगे। नाइट फ्रैंक इंडिया के निदेशक अभिषेक शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय खुदरा विक्रेता और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड अपना विस्तार जारी रखेंगे। लेकिन स्थानीय खुदरा विक्रेता महामारी के दौरान प्रभावित हुए हैं, इसलिए वे पहले बड़े बाजारों और उसके बाद मॉल में शोरूम खोलने के बारे में विचार करेंगे।

अप्रैल-मई में 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी

नई दिल्ली। संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज कहा कि 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी अगले साल अप्रैल-मई के आसपास होने की संभावना है। वैष्णव ने कहा कि दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए इस साल सितंबर में घोषित राहत उपायों के साथ पहले चरण के सुधार हुए तथा सरकार आगे और भी सुधार करेगी एवं आने वाले दो-तीन वर्षों में दूरसंचार नियामक संरचना बदलनी चाहिए। उन्होंने टाइम्स नाउ समिट 2021 में अपने संबोधन में कहा कि भारत के दूरसंचार क्षेत्र के विनियमन को सर्वश्रेष्ठ वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है और इसलिए हम इसमें कई सुधार पेश करेंगे, ताकि भारत में विनियमन का वैश्विक मानक हासिल किया जा सके। मंत्री ने 5जी नीलामी की समयसीमा को लेकर कहा कि नीलामी की संरचना पर ध्यान देने वाला भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण इस विषय पर विचार-विमर्श कर रहा है।

दो नए इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्चः सिंगल चार्ज पर इससे 100 किमी की रेंज मिलेगी, कीमत 89,999 रुपए से शुरू

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बूम मोटर्स ने आज अपने दो नए इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च कर दिए हैं। इनका नाम कॉर्बेट 14 और कॉर्बेट 14-EX रखा गया है। कंपनी का दावा है कि ये भारत का सबसे टिकाऊ स्कूटर होगा। कॉर्बेट 14 स्कूटर की कीमत 89,999 रुपए जबकि कॉर्बेट 14-EX की कीमत 1,19,999 रुपए तय की गई है। कंपनी कल यानी 12 नवंबर से अपने ई-स्कूटर की बुकिंग शुरू करेगी। इसे 499 रुपए में खरीदने के लिए रिजर्व किया जा सकता है।

कॉर्बेट 14-EX स्कूटर की रेंज 200 किमी की होगी

दोनों ही बाइक में बैटरी कैपेसिटी अलग-अलग होगी। इससे इनकी टॉप स्पीड और रेंज भी अलग होती है। जहां कॉर्बेट 14 में 2.3 kWh बैटरी की बदौलत 65 किमी टॉप स्पीड और 100 किमी की रेंज मिलती है। साथ ही स्कूटर में 75 किमी की टॉप स्पीड मिलती है। रेंज मिलती है तो कॉर्बेट 14-EX में 4.6 kWh की बैटरी से 200 किमी की रेंज

घरेलू सॉकेट प्लग से भी चार्ज हो जाएगा

दोनों ही स्कूटर में स्वैपेबल बैटरी हैं जिन्हें पोर्टेबल चार्जर के साथ पेश किया गया है। इसके पोर्टेबल चार्जर को किसी भी घरेलू सॉकेट में प्लग किया जा सकता है। ये स्कूटर मैक्सिमम 200 किलोग्राम तक की लोडिंग को सपोर्ट करते हैं।

1,699 रुपए की मंथली EMI पर खरीद पाएंगे

कॉर्बेट ईवी स्कूटर को 5 साल की 1,699 रुपए की मंथली EMI के साथ खरीदा जा सकता है। कंपनी चेसिस पर 7 साल और बैटरी पर 5 साल की वारंटी भी दे रही है। कंपनी की कोयंबतूर स्थित फैक्टरी में एक साल में 1 लाख से ज्यादा स्कूटर तैयार करती है।

U&i का लो-बजट नेकबैंड

कॉल और मैसेज आने पर स्मार्ट वाइब्रेशन्स से अलर्ट करेगा

» सिंगल चार्ज पर 15 घंटे बैटरी बैकअप मिलेगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत की कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी यूएंडआई (U&i) के सब-ब्रांड यूएंडआई प्राइम ने लो-बजट स्मार्ट नेकबैंड ईयरफोन शफल 4 लॉन्च किया है। शफल 4 नेक्स्ट जनरेशन नेकबैंड है। इसमें मैग्नेटिक स्विच कंट्रोल, स्मार्ट वाइब्रेशन्स, सुपरफास्ट चार्जिंग जैसे फीचर्स दिए हैं। वहीं, इसमें 15 घंटे का बैटरी बैकअप दिया है। कंपनी का दावा है कि इससे शानदार ऑडियो क्वालिटी मिलती है।

नेकबैंक की कीमत 999 रुपए

नेकबैंड ABS प्लास्टिक और स्किन फ्रेन्डली सिलिकॉन से बना है। यह नेकबैंड IPX-5 सर्टिफाइड है। यानी यह डस्ट और वाटर रिजिस्टेंट भी है। इस नेकबैंड की कीमत 999 रुपए रखी है। इसे कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट से खरीद पाएंगे। कंपनी इस पर 1 साल की वारंटी भी दे रही

है। शफल 4 ईयरफोन में नियोडायमियम मैग्नेट्स दिए हैं। जब इन्हें यूज नहीं किया जाएगा तो ये अपने आप अटैच होकर ऑटोमेटिक तरीके से बंद हो जाता है। इसमें सिलिकॉन ईयरटिप्स मिलेंगे, जो बाहरी शोर को बंद कर देते हैं। ईयरफोन में माइक्रो मोटर दी है। ये कॉल या मैसेज रिसीव करने के समय वाइब्रेट करता है। जब स्मार्टफोन साइलेंट मोड में होगा तब ये डिवाइस स्मार्ट वाइब्रेशन तकनीक के साथ आपको कॉल और मैसेज का अलर्ट देता है। शफल 4 में दमदार बैटरी के साथ क्विक-चार्जिंग का सपोर्ट भी दिया है।

उपलब्धियों का जश्न : दीपक एडवरटाइजिंग ने 25वीं सालगिरह मनाइ

नई दिल्ली

किसी भी फील्ड में बने रहना आम बात है पर उस फील्ड में वर्षों तक सर्वश्रेष्ठ बने रहना बहुत ही अलग है। दीपक एडवरटाइजिंग का 1996 से शुरू हुआ सफर आज रजत जयंती वर्ष में अहम पड़ाव पर पहुंच गया है। केबल एडवरटाइजिंग से शुरू होकर आज कम्प्लीट कम्युनिकेशन सॉल्यूशन प्रोवाइडर के रूप में दीपक एडवरटाइजिंग 4 राज्यों और सात शहरों, इंदौर, गुड़गांव, मुंबई, जयपुर, भोपाल, नागपुर और जबलपुर में अपनी सेवाएं दे रही है। इन वर्षों में दीपक एडवरटाइजिंग के खाते में अनेकों अहम उपलब्धियां जुड़ती गई। 15 बार एजेंसी ऑफ द ईयर अवार्ड जीतने के साथ-साथ 175 से ज्यादा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड एजेंसी के नाम है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे है,
प्रति सप्ताह आप सभी का साथ।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंक्डइन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अप्रकाशित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।